https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

'आज बिना बिचौलिए के पैसे गरीब के खाते में सीधे जमा हो रहे हैं'

वर्ष-14, अंक-05 01-15 मार्च, 2019 (पाक्षिक) ₹20

पुलवामा हमले के शहीदों को राष्ट्र की भावभीनी श्रद्धांजलि!

'पाकिस्तान के नापाक इरादों का ठोस जवाब देगा भारत'

एक डूबते वंश को बचाए रखने के लिए कितने झूठ बोलने की जरूरत है?

पुलवामा आतंकी हमले में हुए शहीद मानेश्वर बसुमतारी को श्रद्धांजलि देते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

मदुरै (तमिलनाडु) में समीक्षा बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

राजमुंदरी (आंध्रप्रदेश) में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का स्वागत करते आंध्रप्रदेश भाजपा नेतागण

अहमदाबाद (गुजरात) में दीवार पर स्टिकर चिपकाकर 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' अभियान का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, साथ में– गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी व अन्य

नई दिल्ली में इमरजेंसी रेस्पांस सपोर्ट सिस्टम का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी व अन्य

नई दिल्ली में वाहन सुरक्षा को बेहतर करने हेतु भारत सरकार के विधायी प्रयासों के लिए ग्लोबल एनसीएपी से 'इनोवेशन अवार्ड' प्राप्त करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com

वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 व्यर्थ नहीं जाएगा जवानों का बलिदान

जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी को बड़ा आतंकी हमला हुआ। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवंतीपोरा के पास गोरीपोरा में हुए हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए और लगभग दो दर्जन जवान जख्मी हो गए। हमले को पाकिस्तान से संचालित जैश ए मुहम्मद के आत्मघाती ने अंजाम...

वैचारिकी

राष्ट्रात्मा व विश्वात्मा 17

लेख

एक डूबते वंश को बचाए रखने के लिए कितने झूठ बोलने की... 20

अन्य

पुलवामा आतंकी हमले के दोषियों को सजा दी जाएगी... 08
वीर शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 10
'घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालने हेतु कटिबद्ध है... 12
भारत 2013-14 के 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से अब दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना 14
प्रधानमंत्री ने भारत की पहली सबसे तेज ट्रेन 'वंदे भारत' को हरी... 23
प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड में कई विकास परियोजनाओं का अनावरण 24
पाकिस्तान के नापाक इरादों का ठोस जवाब देगा भारतः नरेन्द्र मोदी 25
बिहार हेतु 33,000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का... 26
लोअर पंजारा मध्यम परियोजना का शुभारंभ 27
आज बिना बिचौलिए के पैसे गरीब के खाते में सीधे जमा हो ... 28
लोक सभा में 89 प्रतिशत कामकाज हुआ 29
गहलोत सरकार ने राजस्थान में सभी विकास परियोजनाओं को... 30
'राज्य में परिवर्तन कर राजग की विजय पताका फहराएं' 32
'चन्द्रबाबू नायडू का धोखेबाजी का इतिहास रहा है' 33

11 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' अभियान का शुभारंभ

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 12 फरवरी को गुजरात...

13 'राजनीतिक शुचिता के संकल्प के प्रति समर्पित है भाजपा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 11 फरवरी को नई दिल्ली स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में...

21 संसद में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 12 फरवरी को संसद के केन्द्रीय कक्ष में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का...

22 'प्रधानमंत्रीजी के वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने के प्रयासों को सम्मान'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 फरवरी को कहा कि दक्षिण...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

ये नया भारत है। इसमें केंद्र सरकार, जितना पैसा किसी गरीब के लिए, किसी किसान के लिए भेजती है, वो पूरा पैसा सीधे उसके खाते में पहुंचता है। बिचौलियों की कोई जगह नहीं है।

@AmitShah

झूठ का जवाब कर्म ही हो सकता है। हमें ग़रीब विरोधी कहने वालों से मैं कहना चाहता हूं कि मोदी जी के नेतृत्व में देश में पहली बार किसी सरकार ने करोड़ों गरीबों के घर बिजली, स्वास्थ्य बीमा, रसोई गैस पहुंचाकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है और उन्हें देश के विकास के साथ जोड़ा है।

@byadavbjp

केंद्र में आज एक ऐसी सरकार है, जिसने अपने कार्यकाल को उपलब्धियों के साथ पूरा किया है। एक ऐसी सरकार, जिसने लंबे समय से अटके नीतिगत कार्यों को आगे बढ़ाने का काम किया है। एक ऐसी सरकार, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सही दिशा देने के लिए कदम उठाए हैं।

facebook

हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुक 158 निवेशकों के साथ लगभग 17 हजार करोड़ रुपए के MOU साइन किए। जिससे प्रदेश में लगभग 40 हजार लोगों को रोजगार एवं स्वरोज़गार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों को हमारी सरकार हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।

— जयराम ठाकुर

यूपीए सरकार के दौरान 2009-14 के बीच देश में 25.51 लाख आवास बने, जबकि एनडीए सरकार के पांच साल में 1 करोड़ 25 लाख आवास बनवाए गए। बिहार के 40 लाख ग्रामीण और 7 लाख शहरी गरीबों को आवास मिलेगा। किफायती आवासों पर जीएसटी की दर 8 फीसद घटाकर 1 फीसद करने से अपने घर का सपना पूरा करने में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

जिनकी राजनीति अपने लिए जमीन, फ्लैट, मॉल और बंगला हथियाने में लिप्त रही, उन्होंने कभी गरीब और मध्यम वर्गों के आशियाने की फिक्र नहीं की।

— सुशील कुमार मोदी

स्रोत - सोशल मीडिया

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
महाशिवरात्रि (4 मार्च)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

पाकिस्तान को अपने कुकृत्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा

एक अत्यंत निंदनीय आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ के जवान पुलवामा में शहीद हो गये। इस कायरतापूर्ण आंतकी हमले की पूरे विश्व में कड़ी निंदा एवं भर्त्सना हुई है। आज सभी देश आतंक के विरुद्ध एकजुट हो रहे हैं। देश के जन–जन में आज आक्रोश है और हर कोई शहीदों को नमन कर रहा है। आतंकवाद और इसके आकाओं के विरुद्ध हर भारतीय के मन में चिंगारी सुलग रही है और यह अब लावा बनकर फूटना चाहता है। एक ओर पूरा राष्ट्र शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहा है और उनके परिवारों के साथ एकजुट खड़ा है, दूसरी ओर हर के मन में एक संकल्प दृढ़ हो रहा है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति नहीं होने दी जा सकती है। हमारे वीर जवानों ने मां भारती की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिये और पूरा देश उनके एवं उनके परिवारों का आज ऋणी है। वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने दिया जा सकता। भारत आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। अब समय आ गया है कि आतंकवाद एवं इसके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाय कि वे फिर से मानवता के विरुद्ध कोई कदम उठाने की हिम्मत न जुटा पाए।

इसमें कोई संदेह नहीं कि कश्मीर में चल रही आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान का हाथ है। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के द्वारा बार–बार निंदा करने एवं चेतावनी देने पर भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। यह एक ऐसा देश बन गया है जो आतंकवाद का समर्थन करता है और दूसरे देशों में आतंकियों का निर्यात करता है। अल–कायदा, लश्कर–ए–तोयबा, लश्कर–ए–उमर, जैश–ए–मुहम्मद एवं तालिबान जैसे आतंकी संगठनों का पाकिस्तान एक सुरक्षित पनाहगार के रूप में प्रश्रयदाता बन गया है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि अफगानिस्तान समेत अनेक देशों में आतंकवाद फैलाने के लिए अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे देशों ने पाकिस्तान की अनेक बार कठोर निंदा की है। परंतु पूरे विश्व में घोर निंदा और भर्त्सना के बावजूद भी पाकिस्तान आतंकवाद को प्रश्रय एवं समर्थन देने के अपने मानवता–विरोधी गतिविधियों में लगातार संलिप्त है।

जबसे श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं, आतंकी गुटों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है और कश्मीर के अलगाववादियों पर नकेल कस दी गई है। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार का समझौता करने से इंकार करते हुए प्रधानमंत्री ने हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे मुख्य मुद्दा बनाने में सफलता प्राप्त की है तथा पाकिस्तान को अलग–थलग कर दिया है।

लगता है उरी आतंकी हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक से भी पाकिस्तान ने पूरी तरह सबक नहीं लिया है। आमने–सामने के युद्ध में बार–बार मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान भारत पर पीछे से वार करने में अपनी बहादुरी समझ रहा है। कारगिल युद्ध में भी हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान के मंसूबों को नेस्तनाबूद कर दिया था। सर्जिकल स्ट्राइक कर हमारी सेना ने नियंत्रण रेखा पार आतंकियों को नाकों चने चबवा दिये थे। आज जब हमारे जवानों को खुली छूट दी गई है तो कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकियों का सफाया किया जा चुका है और आतंकी गुटों के मुख्य सिपहसालारों को उनके अंजाम तक पहुंचा दिया गया है। कश्मीर घाटी में आतंकी गुटों की कमर तोड़कर, उनके नेटवर्क को पूरी तरह से तहस–नहस किया जा चुका है और उनकी आतंकी–अलगाववादी गतिविधियों पर लगाम कस दी गई है। यह पहली बार है कि आतंकी–अलगाववादी गुटों के साथ कोई समझौता नहीं किया जा रहा और देश का कानून कड़ाई से लागू किया जा रहा है। यह संभवतः आतंकी गुटों के बौखलाहट की ही परिणाम है कि उन्होंने फिदायीन हमले का सहारा लिया है। परंतु शायद वे यह भूल गये कि ऐसे कायरतापूर्ण हमले से भारत के हौसले हमेशा और अधिक बुलंद हुए हैं और जवान तथा भी अधिक दृढ़ संकल्प से मां भारती की सेवा में तत्पर हुए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने दिया जायेगा। गौरतलब है कि जबसे श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं, आतंकी गुटों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है और कश्मीर के अलगाववादियों पर नकेल कस दी गई है। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार का समझौता करने से इंकार करते हुए प्रधानमंत्री ने हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे मुख्य मुद्दा बनाने में सफलता प्राप्त की है तथा पाकिस्तान को अलग–थलग कर दिया है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान को कई बार चेतावनी भी मिली है तथा आतंकवाद को समर्थन एवं आश्रय देने के लिए अमेरिका ने आर्थिक सहायता पर भी रोक लगा दी है। भारत ने पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को दिये 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' का दर्जा भी वापस ले लिया है एवं कस्टम ड्यूटी 200 प्रतिशत बढ़ा दी है। एक ओर जहां संयुक्त राष्ट्र ने इस कायरतापूर्ण हमले की घोर भर्त्सना की है, वहीं हर शांतिप्रिय देश ने आतंकी गुटों को पाकिस्तानी समर्थन की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान शायद यह भूल जाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत उसे ऐसा करारा जवाब देगा कि यह सबक उसकी आने वाली पीढ़ियां भूला नहीं पायेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि पाकिस्तान को अपने कुकृत्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा। आज जबकि पाकिस्तान की आर्थिक हालत बद से बदतर हो गई है, आतंकी गुटों को समर्थन देने से यह पूरे विश्व में अलग–थलग पड़ चुका है। आज भारत पाकिस्तान के षड्यंत्रों एवं आतंकवाद के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़ा है और विश्व जनमत भारत के पक्ष में लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की भावना को व्यक्त किया, जब उन्होंने कहा कि उनके दिल में भी वही आग है जो हर भारतीय के दिल में है। आज जब यह तय है कि भारत पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों पर उसे सबक सिखायेगा, यह पहले से अधिक कठोर, शौर्यपूर्ण एवं अतुलनीय होगा जिससे पाकिस्तान विश्व में बेनकाब हो जायगा तथा इसके आतंकवादी कुचक्रों को जबरदस्त जवाब मिलेगा। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

पुलवामा में आतंकी हमला

व्यर्थ नहीं जाएगा जवानों का बलिदान

जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी को बड़ा आतंकी हमला हुआ। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवंतीपोरा के पास गोरीपोरा में हुए हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए और लगभग दो दर्जन जवान जख्मी हो गए।

हमले को पाकिस्तान से संचालित जैश-ए-मुहम्मद के आत्मघाती ने अंजाम दिया। उसने 320 किलो विस्फोटकों से लदी स्कॉर्पियो को सीआरपीएफ के काफिले में शामिल जवानों से भरी एक बस को टक्कर मारकर उड़ा दिया। काफिले में शामिल तीन अन्य वाहनों को भी भारी क्षति पहुंची। आतंकियों का निशाना बना वाहन सीआरपीएफ के काफिले का हिस्सा था। सुबह जम्मू से चले इस काफिले में 60 वाहन थे, जिनमें 2547 जवान थे। जैसे ही काफिला जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर गोरीपोरा (अवंतीपोरा) के पास पहुंचा, तभी अचानक एक कार तेजी से काफिले में घुसी और आत्मघाती कारचालक ने सीआरपीएफ की 54वीं वाहिनी की बस को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही धमाका हो गया।

पुलवामा जिले में हुए इस आतंकी हमले से पूरे देश में उबाल है। सभी शहरों में लोग सड़कों पर उतरकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कई जगहों पर लोगों ने आंतकवाद और पाकिस्तान का पुतला भी फूंका।

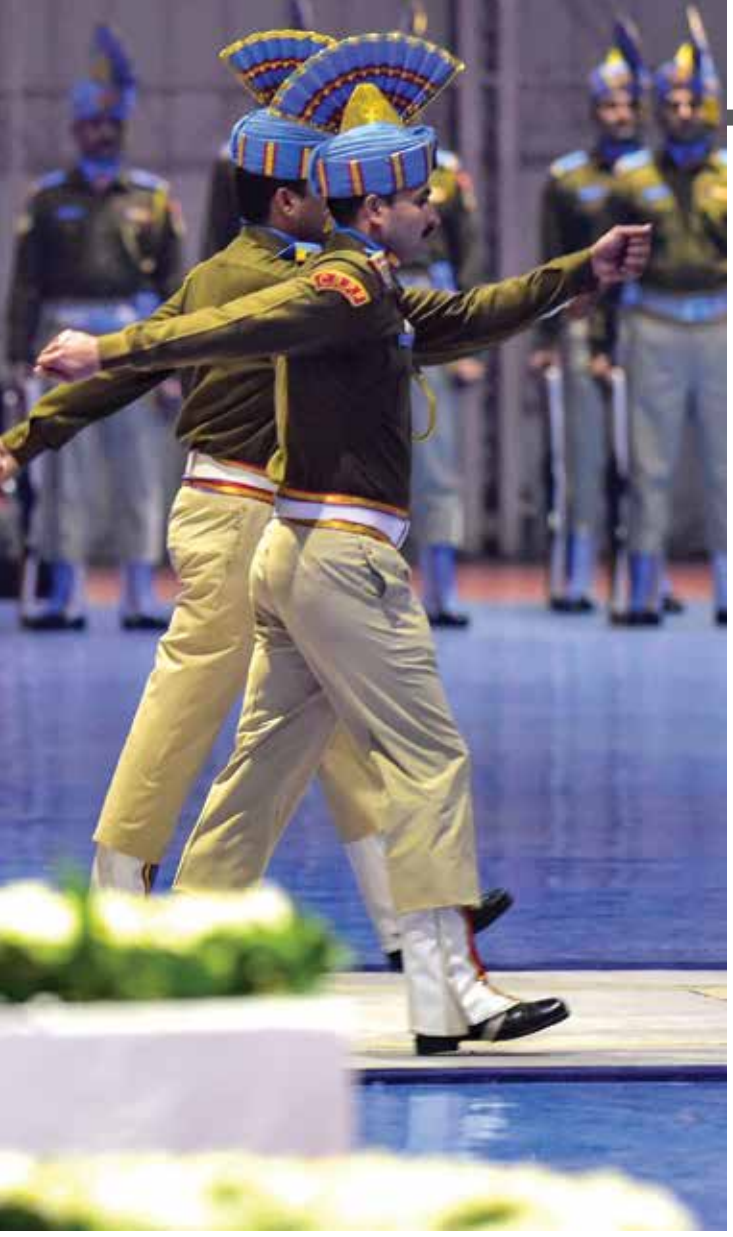

पुलवामा, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले की मैं भर्त्सना करता हूं। शहीदों के शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। पूरा देश आतंक और क्रूरतापूर्ण शक्तियों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा है।

– रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

हमें अपनी एकता और अखंडता की रक्षा करनी है। हमें मुश्किल घड़ी में एकजुट रहना होगा। मैं देश के लोगों खासकर युवा पीढ़ी से देश की सेना के साथ खड़े रहने की अपील करता हूं। हमें विश्वास है कि हमारे फौजी सही समय पर उन्हें सबक सिखाएंगे।

– वेंकैया नायडू, उपराष्ट्रपति

राजनाथ सिंह ने शहीदों के शवों को कंधा देकर दी श्रद्धांजलि

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद जवानों के शवों को कंधा देकर उनको परंपरागत तरीके से श्रद्धांजलि दी। इस आतंकी हमले पर श्री सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जवानों की इस शहादत का बदला लिया जाएगा।

100 घंटे के भीतर ही पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड हुआ ढेर

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी को हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 40 जवानों का पहला बदला भारत की सेना ने ले लिया। 18 फरवरी को पुलवामा में ही हुए एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने पुलवामा आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता गाजी राशिद उर्फ कामरान को मौत के घाट उतार दिया। सिर्फ 100 घंटे के भीतर ने सेना ने इस मोस्टवांटेड आतंकी को उसके किए की सजा दे दी। गाजी के अलावा एक लोकल जैश-ए-मोहम्मद आतंकी हिलाल को मारा गया।

भारत के साथ आए दुनिया के बड़े देश, अकेला पड़ा पाक

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद दुनिया के बड़े देशों ने आतंकवाद से मुकाबले में भारत के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और इस घड़ी में साथ खड़े रहने की बात कही। 15 फरवरी को दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय में जी-20 देशों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। विदेश सचिव ने कुल 25 देशों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और पुलवामा हमले की जानकारी दी। इस बैठक में पी-5 देशों, पाकिस्तान को छोड़कर सभी दक्षिण एशियाई देश और अन्य बड़े देशों (जैसे जापान, जर्मनी, रिपब्लिक ऑफ कोरिया) ने शिरकत की।

इन देशों ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में पाकिस्तान समर्थित

पुलवामा आतंकी हमले के दोषियों को सजा दी जाएगीः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले के दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि हमले के दोषियों और आतंकियों को मदद करने और उन्हें उकसाने वालों ने बहुत बड़ी गलती की है और उन्हें इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री ने सुरक्षा बलों को कार्रवाई करने के लिए पूरी छूट देने की बात करते हुए पाकिस्तान को चुनौती दी कि वह इस भ्रम में न रहे कि वह भारत को अस्थिर कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने यह बात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने से पहले वहां मौजूद लोगों को संबोधन के दौरान कही। भाषण की शुरुआत में पुलवामा में आतंकी हमले के बारे में प्रधानमंत्री के वक्तव्य के मुख्य अंश इस प्रकार हैं :

"सबसे पहले मैं पुलवामा के आतंक के हमले में शहीद जवानों को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने देश की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। दुःख की इस घड़ी में मेरी और हर भारतीय की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

इस हमले की वजह से देश में जितना आक्रोश है, लोगों का खून खोल रहा है; ये मैं भलीभांति समझ पा रहा हूं। इस समय जो देश की अपेक्षाएं हैं, कुछ कर गुजरने की भावनाएं हैं, वो भी स्वाभाविक हैं। हमारे सुरक्षा बलों को पूर्ण स्वतंत्रता दे दी गई है। हमें अपने सैनिकों के शौर्य पर, उनकी बहादुरी पर पूरा भरोसा है। मूझे पूरा भरोसा है कि देशभक्ति के रंग में रंगे लोग सही जानकारियां भी हमारी एजेंसियों तक पहुंचाएंगे, ताकि आतंक को कुचलने में हमारी लड़ाई और तेज हो सके।

मैं आतंकी संगठनों को और उनके सरपरस्तों को कहना चाहता हूं कि वे बहुत बड़ी गलती कर चुके हैं, बहुत बड़ी कीमत उनको चुकानी पड़ेगी। मैं देश को भरोसा देता हूं कि हमले के पीछे जो ताकते हैं, इस हमले के पीछे जो भी गुनहगार हैं, उन्हें उनके किए की सजा अवश्य मिलेगी। जो हमारी आलोचना कर रहे हैं, उनकी भावनाओं का भी मैं आदर करता हूं। उनकी भावनाओं को मैं भी समझ पाता हूं और आलोचना करने का उनका पूरा अधिकार भी है।

लेकिन मेरा सभी साथियों से अनुरोध है कि ये वक्त बहुत ही संवेदनशील और भावुक पल है। पक्ष में या विपक्ष में, हम सब राजनीतिक छींटाकशी से दूर रहें। इस हमले का देश एकजुट हो करके मुकाबला कर रहा है। देश एक साथ है, देश का एक ही स्वर है और यही विश्व में सुनाई देना चाहिए क्योंकि लड़ाई हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।

पूरे विश्व में अलग-थलग पड़ चुका हमारा पड़ोसी देश अगर ये समझता है कि जिस तरह के कृत्य वो कर रहा है, जिस तरह की साजिशें रच रहा है, उससे भारत में अस्थिरता पैदा करने में सफल हो जाएगा तो वो

ख्वाब हमेशा-हमेशा के लिए छोड़ दे। वह कभी ये नहीं कर पाएगा और न कभी ये होने वाला है।

इस समय बड़ी आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे हमारे पड़ोसी देश को ये भी लगता है कि वो ऐसी तबाही मचाकर भारत को बदहाल कर सकता है; उसके ये मंसूबे भी कभी पूरे होने वाले नहीं हैं। वक्त ने सिद्ध कर दिया है कि जिस रास्ते पर वो चले हैं, वो तबाही देखते चले हैं और हमने जो रास्ता अख्तियार किया है, वो तरक्की करता चला जा रहा है।

130 करोड़ हिन्दुस्तानी ऐसी हर साजिश, ऐसे हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा। कई बड़े देशों ने बहुत ही सख्त शब्दों में इस आतंकी हमले की निंदा की है और भारत के साथ खड़े होने की, भारत को समर्थन की भावना जताई है। मैं उन सभी देशों का आभारी हूं और सभी से आह्वान करता हूं कि आतंकवाद के खिलाफ सभी मानवतावादी शक्तियों को एक हो करके लड़ना ही होगा, मानवतावादी शक्तियों ने एक हो करके आतंकवाद को परास्त करना ही होगा। आतंक से लड़ने के लिए जब सभी देश एकमत, एक स्वर, एक दिशा से चलेंगे तो आतंकवाद कुछ पल से ज्यादा नहीं टिक सकता है।

साथियों, पुलवामा हमले के बाद अभी मनःस्थिति और माहौल दुःख के साथ आक्रोश से भरा हुआ है। ऐसे हमलों का देश डटकर मुकाबला करेगा। ये देश रुकने वाला नहीं है। हमारे वीर शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और देश के लिए मर-मिटने वाला हर शहीद दो सपनों के लिए जिंदगी लगाता है- पहला, देश की सुरक्षा, दूसरा, देश की समृद्धि। मैं सभी वीर शहीदों को, उनकी आत्मा को नमन करते हुए, उनके आशीर्वाद लेते हुए, मैं फिर एक बार विश्वास जताता हूं कि जिन दो सपनों को ले करके उन्होंने जीवन को आहुत किया है, उन सपनों को पूरा करने के लिए हम जीवन का पल-पल खपा देंगे। समृद्धि के रास्ते को भी हम और अधिक गति दे करके, विकास के रास्ते को और अधिक ताकत दे करके, हमारे इन वीर शहीदों की आत्मा को नमन करते हुए आगे बढ़ेंगे।" ■

आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय की इस बैठक में जर्मनी, हंगरी, इटली, यूरोपियन यूनियन, कनाडा, ब्रिटेन, इजराइल, ऑस्ट्रेलिया, जापान, साउथ कोरिया, स्लोवाकिया, स्विडन, फ्रांस, स्पेन और भूटान के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनके अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और नेपाल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका ने भी पुलवामा आतंकवादी हमले की निंदा की।

अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, सऊदी अरब, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश सहित दुनिया के कई बड़े देशों ने पुलवामा आतंकी हमले की निंदा की।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, 'मैं भारतीय साझेदारों के साथ आतंकवाद से मुकाबले में सहयोग को मजबूत करने की अपनी इच्छा दोहराता हूं। रूस में हम भारत के मित्रवत लोगों का दु:ख साझा करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद करते हैं।'

अमेरिका ने भी पुलवामा हमले की निंदा की। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने कहा, 'अमेरिका पाकिस्तान से अपील करता है कि वह अपनी जमीन से आतंकी गतिविधियां चलाने वाले ऐसे सभी आतंकवादी संगठनों को समर्थन और पनाह देना तुरंत बंद करे जिनका एकमात्र लक्ष्य क्षेत्र में अव्यवस्था, हिंसा और आतंक फैलाना है।' उन्होंने कहा, 'यह हमला आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका और भारत के सहयोग एवं साझेदारी को और बढ़ाने के हमारे संकल्प को और मजबूत बनाता है।'

ऑस्ट्रेलिया के राजनीतिक नेताओं ने भी इस आतंकवादी हमले की निंदा की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा, 'हम पीड़ितों के परिजन और सभी घायलों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हमारे विचार मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय लोगों के साथ हैं।'

सऊदी अरब ने भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने की बात कही। सऊदी अरब ने पुलवामा में जैश-ए- मोहम्मद की ओर से किए गए आत्मघाती हमले को 'कायराना' हरकत करार दिया।

फ्रांस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने की बात कही। वहां के विदेश मंत्री ज्यां-यीव्स ली द्रियां ने भारत के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा, 'फ्रांस आतंकवाद से मुकाबले में हमेशा भारत के साथ रहा है और रहेगा।' वहीं, नेपाल ने कहा, 'वह आतंकवाद के सभी स्वरूपों की स्पष्ट शब्दों में निंदा करता है और मानता है कि ऐसे जघन्य कृत्यों को किसी आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता।' इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी इस हमले की निंदा की और कहा कि यूएई हिंसा एवं आतंकवाद के सभी स्वरूपों को खारिज करता है।

चीन ने भी हमले की निंदा की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा, 'चीन आत्मघाती हमले की खबरों से वाकिफ है। हम इस हमले से गहरे सदमे में हैं और मृतकों तथा घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हैं।' गेंग ने कहा, 'हम आतंकवाद के किसी भी रूप की कड़ी निंदा और पुरजोर विरोध करते हैं। उम्मीद है कि संबंधित क्षेत्रीय देश आतंकवाद से निपटने के लिए एक दूसरे का सहयोग करेंगे और इस क्षेत्र में शांति और स्थायित्व के लिए मिलकर काम करेंगे।"

दक्षिण कोरिया ने पुलवामा आतंकी हमले की निंदा की। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम 14 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और हमले में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हैं।' दक्षिण कोरिया ने कहा कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ एक अपराध है, जिसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसे समाप्त किया जाना चाहिए। हम आतंकवाद को मिटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सक्रिय रूप से काम करना जारी रखेंगे। ■

कायराना आतंकी प्रयासों को परास्त करने के लिए कड़ा जवाब दिया जाएगा : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए शहीद जवानों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री शाह ने कहा कि यह हमला काफी दु:खद है। यह एक कायराना हमला है। उन्होंने कहा कि हमारी संवेदना हमारे वीर जवानों के परिवार के साथ है। हमारी सेना दृढ़ता के साथ आतंकियों को जवाब देती रहेगी और उनका सफाया करके रहेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने शुरू से ही आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कायराना आतंकी प्रयासों को परास्त करने के लिए कड़ा जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि हमले में शहीद हुए जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। पूरा देश शहीदों के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

वीर शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पुलवामा के अवंतिपोरा में सी.आर.पी.एफ. के जवानों पर आतंकवादियों द्वारा किये गए जघन्य एवं कायराना हमले की घोर निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 17 फरवरी को देश भर के सभी जिला केन्द्रों पर वीर शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इन सभाओं में पार्टी के सांसद, विधायक, जन-प्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी के साथ-साथ समाज के बुद्धिजीवी वर्ग एवं युवा भी शामिल हुए।

पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों ने इस कायराना आतंकवादी हमले में शहीद जवानों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए वीर जवानों की शहादत के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं शहीदों की तस्वीरों पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की कठोरतम शब्दों में कड़ी भर्त्सना की। श्रद्धांजलि सभा में यह भरोसा व्यक्त किया गया कि वीर जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार जल्द ही वीर शहीदों के लहू के एक-एक कतरे का हिसाब लेगी।

इस क्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने लखीमपुर (असम) में आयोजित युवा प्रवाह विजय लक्ष्य रैली में आरंभ में असम के वीर सपूत श्री मानेश्वर बसुमतारी सहित पुलवामा आतंकी हमले में शहीद सभी वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वीर शहीदों के सम्मान में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, नेडा के चेयरमैन एवं असम सरकार में मंत्री श्री हेमंत बिस्व शर्मा सहित सभा में उपस्थित सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन भी रखा।

पार्टी उपाध्यक्ष श्री ओम माथुर एवं केन्द्रीय मंत्री मनसुख मंडविया अहमदाबाद, पार्टी उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमण सिंह कोलकाता, पार्टी उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान राजगढ़, केन्द्रीय मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी लखनऊ, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय गाजियाबाद, उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष श्री अजय भट्ट देहरादून और केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में आयोजित श्रद्धांजलि सभाओं में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त तमाम जिला केन्द्रों में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पार्टी पदाधिकारी-गण और सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। ■

'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' अभियान का शुभारंभ

मोदी सरकार में हुआ लोककल्याणकारी सरकार का एहसास: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 12 फरवरी को गुजरात के अहमदाबाद से पार्टी के देशव्यापी कार्यक्रम "मेरा परिवार, भाजपा परिवार" (#MeraParivarBhajapaParivar) की शुरुआत की। 10 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री, केंद्र एवं राज्य सरकारों के मंत्रिमंडल सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय एवं राज्य के पार्टी पदाधिकारी और पार्टी के सभी जन-प्रतिनिधि अपने-अपने गृह जनपद के बूथ पर मतदाताओं के साथ चाय पर बैठेंगे एवं उनके साथ केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे। इस अभियान के तहत पार्टी के राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के घर जायेंगे, उनके साथ सरकार की अन्य उपलब्धियों को साझा करेंगे और वहां पार्टी का झंडा लगाने के साथ-साथ भाजपा का स्टीकर भी चिपकायेंगे। केंद्र एवं राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार की योजनाओं के लाभार्थी #MeraParivarBhajapaParivar हैशटैग के साथ सोशल मीडिया के जरिये भाजपा के प्रति अपना समर्थन और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विश्वास व्यक्त करेंगे।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने देश के 50 करोड़ गरीब लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किये हैं, जो आज़ादी के 70 साल में कभी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने केवल पांच वर्षों के शासनकाल में ही लगभग ढाई करोड़ से अधिक गरीबों के लिए पक्का मकान सुनिश्चित किया, लगभग ढाई करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई, लगभग 8 करोड़ परिवारों में शौचालय निर्माण किया गया, लगभग 13 करोड़ से अधिक छोटे बच्चों एवं प्रसूता महिलाओं का टीकाकरण किया गया है। 13 करोड़ से अधिक लोगों को मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया गया और लगभग 6 करोड़ गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिया गया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की 50 करोड़ गरीब आबादी के लिए आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत केवल तीन महीने में ही 10 लाख से अधिक लोग इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम इन सभी योजनाओं के लाभार्थियों को 'महासंपर्क अभियान' के माध्यम से जोड़ेंगे। हम उन सभी लाभार्थियों से इस बात की चर्चा करेंगे कि आप तो इन योजनाओं से लाभान्वित हो गए, लेकिन अभी भी देश में लाखों ऐसे लोग हैं जिन्हें इन योजनाओं का फायदा मिलना बाकी है। इन सभी लोगों का आशीर्वाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिले, ताकि देश के अन्य सभी वंचित लोगों तक इन योजनाओं का फायदा पहुंच सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि तीसरा कार्यक्रम 'कमल ज्योति' कार्यक्रम है, जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी सरकार के सभी 22 करोड़ लाभार्थियों के घर एक ही दिन दीवाली मनानी है। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल तक देश के गरीबों को आजादी का अनुभव

नहीं हुआ, एक लोक-कल्याणकारी सरकार किस तरह से काम करती है, इसका एहसास देश की जनता को पहली बार मोदी सरकार में हुआ। ये सारे लोग अपने घर में दीपों की कमल ज्योति जलाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विजय का संकल्प लेंगे।

श्री शाह ने कहा कि आगामी तीन मार्च 2019 को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता तीन करोड़ से अधिक मोटरसाइकिल के साथ एक ही दिन देश के हर विधान सभा में कमल के निशान के साथ 'विजय संकल्प' रैली निकालेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 2014 से 2019 तक हमने दिन-रात एक करके संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को बढ़ाने का अनवरत प्रयास किया है जिसके बल पर यह निश्चित है कि 2014 से भी प्रचंड बहुमत के साथ देश की जनता श्री नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ये चारों कार्यक्रम 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार', महा-सम्पर्क अभियान, कमल ज्योति और विजय संकल्प रैली देश की जनता, देश के गरीब, पार्टी के कार्यकर्ता और भाजपा की विजय को एक ही माला में पिरोने का कार्य करेगी। ■

'घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालने हेतु कटिबद्ध है भाजपा सरकार'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 17 फरवरी को लखीमपुर जिला शहर स्थित सबोती स्टेडियम में आयोजित विशाल 'युवा प्रवाह' विजय लक्ष्य सम्मेलन को संबोधित किया और पुलवामा में पाक प्रेरित आतंकवादियों के हमले में शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए असम सहित पूरे उत्तर-पूर्व के विकास के प्रति केंद्र एवं राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम की शुरुआत में ही पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोंवाल और नेडा के चेयरमैन श्री हेमंत बिस्वशर्मा भी उपस्थित थे। रैली के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुवाहाटी के बेलतोला चराली में प्रदेश भाजपा कार्यालय का भूमि-पूजन किया।

मां कामाख्या की पावन धरा को नमन करते हुए श्री शाह ने कहा कि पुलवामा में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले में हुए शहीद जवानों में असम के सपूत श्री मानेश्वर बसुमतारी भी थे, हम भारत मां के सभी शहीद सपूतों को श्रद्धांजलि देते हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ श्री सर्बानंद सोनोवाल और श्री हेमंत बिस्वशर्मा की जोड़ी कंधे से कंधा मिलाते हुए जिस तरह से असम के विकास की नींव रखी है, मैं इसके लिए श्री सोनोवाल और श्री बिस्वशर्मा को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि अभी असम में ऑटोनोमस काउंसिल और पंचायत चुनाव संपन्न हुए और इन चुनावों में राज्य की जनता ने सिटिजनशिप अमेंडमेंट बिल का विरोध करने वालों को चुन-चुन कर हराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऑटोनोमस काउंसिल की तीनों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में हमारे विरोधियों कांग्रेस और असम गण परिषद ने सिटिजनशिप अमेंडमेंट बिल को मुद्दा बनाया था, लेकिन असम की महान जनता ने इन चुनावों में कांग्रेस और असम गण परिषद सहित उन सभी पार्टियों का सूपड़ा साफ करने का काम किया, जो सिटिजनशिप अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे थे।

कांग्रेस पार्टी और असम गण परिषद पर करारा प्रहार जारी रखते हुए श्री शाह ने कहा कि 1985 में असम की जनता की भावनाओं के अनुरूप असम अकॉर्ड बना था, इसके बाद राज्य में 10 सालों तक असम गण परिषद् और 25 सालों तक कांग्रेस की सरकार रही, केंद्र में 20 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन कांग्रेस और असम गण परिषद बताएं कि उन्होंने असम अकॉर्ड को लागू करने की दिशा में किया किया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस और असम गण परिषद एनआरसी लेकर नहीं आये, इन्होंने केवल जनता को बरगलाने का काम किया। यह भारतीय जनता पार्टी है एनआरसी लेकर आई और घुसपैठ को भी रोकने का काम किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि असम को कश्मीर बनने नहीं दिया जाएगा, यह हमारा कमिटमेंट है। उन्होंने कहा कि चाहे असम में एनआरसी की प्रक्रिया बार-बार करनी पड़े, भारतीय जनता पार्टी सरकार एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने के लिए कटिबद्ध है।

मोदी सरकार ने इस बार के बजट में नॉर्थ-ईस्ट के विकास के लिए आवंटित निधि में 21% की रिकॉर्ड वृद्धि की, जो आजादी के बाद अब तक सबसे अधिक बजटीय वृद्धि है। उन्होंने कहा कि आजादी

के 70 सालों में केंद्र की कांग्रेस सरकारों ने मां ब्रह्मपुत्र पर केवल तीन पुलों का निर्माण किया, हमने केवल पांच सालों में तीन पुलों का निर्माण पूरा कर लिया है और पांच अन्य ब्रिज बनाने का काम शुरू कर दिया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 दिसंबर, 2018 को असम के डिब्रूगढ़ में देश के सबसे लंबे रेल-रोड पुल बोगीबील का उद्घाटन किया, जिसे देखने दुनिया भर से इंजीनियर आते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री जी ने ढोला-सदिया पुल का उद्घाटन किया था जिसका एक छोर अरुणाचल प्रदेश के ढोला गांव और दूसरा छोर असम के सदिया को जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि समग्र राष्ट्र की जनता फिर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के गठन के लिए तैयार है, लेकिन मैं आपसे यह अपील करने आया हूं कि नॉर्थ-ईस्ट भी देश की इस मुहिम का भागीदार बने ताकि मीडिया जगह भी यह कहने को मजबूर हो जाए कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भव्य विजय का श्रेय असम सहित पूरे नॉर्थ-ईस्ट की जनता को जाता है। ■

'राजनीतिक शुचिता के संकल्प के प्रति समर्पित है भाजपा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 11 फरवरी को नई दिल्ली स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता एवं 'अंत्योदय' के सिद्धांत के प्रतिपादक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बलिदान दिवस पर आयोजित 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पूर्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने 'समर्पण दिवस' के अवसर पर "NaMo App" के माध्यम से पार्टी संगठन को अपना डोनेशन देते हुए भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं से "NaMo App" के माध्यम से संगठन को 5 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक डोनेट करने की अपील भी की। ज्ञात हो कि 11 फरवरी को ही युगद्रष्टा एवं भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक अधिष्ठाता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की नृशंस हत्या मुगलसराय स्टेशन, जो वर्तमान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर कर दी गई थी। पार्टी और विचारधारा के विस्तार के प्रति समर्पित पंडित दीनदयाल जी का बलिदान पार्टी के लिए सदैव प्रेरणा का अदम्य स्रोत रहा है।

श्री शाह ने कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में हर बूथ पर 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजनीति में शुचिता के दीनदयाल जी के संकल्प के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक से लेकर जनसंघ के अध्यक्ष तक और जीवन के अंतिम क्षणों तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन में 'स्व' का कोई स्थान नहीं था, उनका पूरा जीवन देश की संस्कृति और देश के हित के लिए समर्पित रहा।

पंडित दीनदयाल जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति में जिस विचारधारा का आरंभ किया था, उसी विचारधारा को हम सभी कार्यकर्ता आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के बाद कई लोगों को लगता था कि यदि लोकतंत्र को सफल बनाना है तो पश्चिम के विचार से अलग, अपनी संस्कृति की लोकतांत्रिक भावनाओं को अभिव्यक्ति प्रदान करने वाली एक पार्टी होनी चाहिए जो इस देश की संस्कृति के आधार पर देश में लोकतंत्र के नए आयामों का सृजन कर सके। इसी आधार पर जन संघ की स्थापना हुई और पंडित जी संगठन महामंत्री और अध्यक्ष के तौर पर जन संघ की विचारधारा की नींव रखने वाले प्रज्ञापुरुष रहे।

श्री शाह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने एक ऐसी पार्टी की कल्पना की जहां पार्टी के चलने के आधार नेताओं का आभामंडल नहीं, बल्कि पार्टी के कार्यकर्ता और संगठन हों। उन्होंने एक ऐसी पार्टी की कल्पना की जो चुनाव में ओछे हथकंडे अपनाकर चुनाव न जीते बल्कि विचारधारा की स्वीकृति और संगठन की शक्ति के आधार पर चुनाव जीते। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो बीज बोया था, वह आज बटवृक्ष के रूप में दुनिया के सामने खड़ा है। पंडित दीनदयाल जी के समय संगठन का न सिर्फ सुदृढ़ीकरण, विस्तार, सिद्धांतों का प्रतिपादन और विचारधारा की व्याख्या हुई, बल्कि अच्छी चुनावी सफलता भी मिली। स्वयं को प्रसिद्धि के मार्ग से दूर रखकर संगठन के माध्यम से चुनाव जिताने का जो मंत्र पंडित दीनदयाल जी ने दिया, वह आज भी हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरक है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पंडित दीनदयाल जी के सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा कि जब तक ध्येय प्राप्त करने का साधन शुद्ध न हो तब तक ध्येय की प्राप्ति सही तरीके से नहीं हो सकती। श्री शाह ने ध्येय और और साधन को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारा ध्येय है सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और गरीब कल्याण के लिए अंत्योदय के सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ना और इसे प्राप्त करने का साधन है भारतीय जनता पार्टी का संगठन। उन्होंने कहा कि देश में कोई भूखा न हो, कोई बीमार न हो, कोई अनपढ़ न हो- इस आधार पर देश की रचना अंत्योदय के

आधार से ही संभव है। देश का गौरव पताका पूरी दुनिया में चहुं ओर फहरे और हम विश्वगुरु के रूप में पुनः प्रतिष्ठित हों, यह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आधार पर ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि ये दो ध्येय हम तभी प्राप्त कर सकते हैं जब हमारा साधन अर्थात् पार्टी शुद्ध हो। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक काम सुचारू रूप से कार्यकर्ताओं के समर्पण से चले, इसकी व्यवस्था पंडित दीनदयाल जी ने निर्धारित की थी। इसी ध्येय को सामने रखकर आज का दिन 'समर्पण दिवस' के रूप में हम मनाते हैं। ■

वर्ष 2014–19 के दौरान उपलब्धियां

भारत 2013-14 के 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से अब दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

भारत: एक मजबूत अर्थव्यवस्था

- भारत ने पिछले पांच वर्षों के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के तौर पर सार्वभौमिक पहचान बनाई।
- वर्ष 2014-19 के दौरान देश बृहत-आर्थिक स्थिरता के अपने सर्वश्रेष्ठ दौर का साक्षी बना।
- 2013-14 के 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से अब दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना।

मुद्रास्फीति न्यूनतम स्तर पर

- सरकार ने 2009-14 के दौरान की उच्च मुद्रास्फीति को न्यूनतम स्तर पर पहुंचाया।
- किसी भी अन्य सरकार की तुलना में औसत मुद्रा स्फीति घटकर 4.6 प्रतिशत पर पहुंची।
- दिसंबर 2018 में मुद्रा स्फीति सिर्फ 2.19 प्रतिशत पर पहुंची।
- 7 वर्ष पूर्व करीब 6 प्रतिशत की उच्च दर से 2018-19 में वित्तीय घाटा घटकर 4.6 प्रतिशत तक पहुंचा।
- सीएडी के 6 वर्ष पहले की उच्च 5.6 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष सकल घरेलू उत्पाद के मात्र 2.5 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत ने 239 बिलियन डॉलर के व्यापक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित किया।
- भारत ने विकास और समृद्धि के पथ पर दृढ़ता पूर्वक वापसी की।
- भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था बना।
- वित्तीय संतुलन बहाल किया गया।
- स्वचालित माध्यम से सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को स्वीकृति देते हुए एफडीआई नीति में उदारीकरण किया गया।

कृषक

- सभी 22 फसलों के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत एमएसपी सुनिश्चित किया गया।
- पिछले पांच वर्षों में ब्याज छूट को दोगुना किया गया।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड नीम कोटिड यूरिया कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व साबित हुआ।

श्रमिक

- रोजगार अवसरों का विस्तार किया गया, ईपीएफओ सदस्यता 2 करोड़ तक बढ़ी।
- पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक श्रेणी के श्रमिकों के लिए न्यूनतम आय 42 प्रतिशत तक बढ़ी।

गरीब और पिछड़ा वर्ग

- शैक्षणिक संस्थाओं और नौकरियों में गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण।
- सौभाग्य योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को निःशुल्क बिजली कनेक्शन।
- करीब 50 करोड़ लोगों के लिए विश्व का सबसे बड़ा स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम, 'आयुष्मान भारत'।
- 115 सर्वाधिक पिछड़े जिलों में विकास के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम।
- गरीब और मध्यम वर्ग के लिए सस्ता खाद्यान हेतु 2018-19 के दौरान 1,70,000 करोड़ रुपये व्यय किये हैं।
- गरीब और मध्यम वर्ग एलईडी बल्बों के कारण बिजली के बिलों में प्रतिवर्ष 50,000 करोड़ रुपये की बचत कर रही है।
- आयुष्मान भारत के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा से 10 लाख रोगी लाभांवित हुए।
- जन औषधि केन्द्र गरीब और मध्यम वर्ग को सस्ते मूल्यों पर दवाईयां उपलब्ध करा रहे हैं।
- वर्ष 2014 में घोषित 21 एम्स में से 14 वर्तमान में कार्य कर रहे हैं।
- पीएमजीएसवाई के अंतर्गत सरकार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण को तीन गुना किया।
- 2018-2019 के संशोधित अनुमानों में 15,500 करोड़ रुपये की तुलना में 2019-20 बजट अनुमानों में पीएमजीएसवाई के लिए 19,000 करोड़ रुपये।
- 2014-18 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.53 करोड़ आवासों का निर्माण।

महिलाओं के विकास से लेकर महिलाओं के नेतृत्व में विकास

- उज्ज्वला योजना के तहत 6 करोड़ मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन दिए गए, अगले वर्ष तक कुल 8 करोड़ गैस कनेक्शन हो जाएंगे।
- मुद्रा ऋण का 70 प्रतिशत भाग महिलाओं द्वारा प्राप्त किया गया।

- मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता।

युवा

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत एक करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया।
- मुद्रा, स्टैंडअप और स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से स्वरोजगार पर जोर।

सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम तथा व्यापारी

- अधिकतम एक करोड़ रुपये तक के ऋण एक घंटे से भी कम समय में प्राप्त किये जा सकते हैं।
- जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) के कारण 25 प्रतिशत- 28 प्रतिशत की औसत बचत।

आयकर

- 5 वर्षों में कर वसूली लगभग दोगुना होकर 2013-14 की तुलना में 6.38 करोड़ रुपये से बढ़कर इस वर्ष लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गई।
- कर आधार में 80 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 5 वर्षों में 3.79 करोड़ से बढ़कर 6.85 करोड़ हो गया।
- कर प्रशासन को सुसंगत बनाया गया – पिछले वर्ष 99.54 प्रतिशत आयकर रिटर्नों को उसी रूप में स्वीकार किया गया, जैसा दाखिल किया गया था।
- आयकर दाताओं की सुविधा में सुधार के लिए प्रोद्योगिकी आधारित परियोजना को मंजूरी दी गई। अगले 2 वर्षों में, रिटर्नों की प्रक्रिया 24 घंटे में पूरी की जाएगी और धनवापसी की जाएगी।

मध्य वर्ग को मिलने वाले पूर्ववर्ती लाभ

- आधारभूत रियायत सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये की गई।
- 2.5 लाख रुपये 5 लाख रुपये वाले कर स्लैब के लिए कर की दर को 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया था।
- वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती 40,000 रुपये लागू की गई थी।
- धारा 80सी के तहत बचतों की कटौती एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये की गयी।
- खुद रहने में इस्तेमाल होने वाले घर के लिए ब्याज की कटौती को 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया गया।
- छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप कारोबारों के लिए विशेष लाभ और प्रोत्साहन दिए गए।
- सारी प्रक्रिया आसान बनाई गई।
- कारोबार के करारोपण को एक करोड़ रुपये के कारोबार से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किया गया।
- छोटे व्यावसायियों के लिए पहली बार करारोपण के लाभ का विस्तार किया गया और इसके लिए 50 लाख रुपये की सीमा निर्धारित की गई।
- कम नगद वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मुनाफा दर को 8 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत किया गया।
- लगभग 99 प्रतिशत कंपनियों के लिए कर की दर को घटाकर 25 प्रतिशत किया गया।

जीएसटी

- जीएसटी ने भारत को एक साझा बाजार बनाया।
- जीएसटी से कर आधार बढ़ा, अधिक वसूली हुई और व्यापार में आसानी हुई।
- एक राज्य से दूसरे राज्य में अब आवाजाही में तेजी हुई और यह अधिक प्रभावकारी बनने के साथ-साथ बाधा मुक्त हुआ।
- कर दरों की उत्तरदायी और संवेदनशील कटौतियां-दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं अब 0 प्रतिशत या 5 प्रतिशत कर स्लेब के दायरे में आई।

व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को राहत

- छोटे कारोबार के लिए जीएसटी से छूट को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख यानी दोगुना किया गया।
- 1.5 करोड़ रुपये तक के कुल व्यापार वाले छोटे व्यापारियों को अब केवल 1 प्रतिशत निर्धारित दर का भुगतान करना होगा और वे केवल एक ही वार्षिक रिटर्न दाखिल करेंगे।
- 50 लाख रुपये तक के कुल व्यापार वाले छोटे सेवा प्रदाता कंपोजिशन योजना का विकल्प चुनकर 18 प्रतिशत से 6 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान कर सकते हैं।
- जल्दी से 90 प्रतिशत से अधिक जीएसटी प्रदाता को शामिल करके कारोबार को त्रिमासिक रिटर्न दाखिल करने की अनुमति होगी।
- जीएसटी राजस्व प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना- चालू वर्ष के दौरान औसत मासिक कर संग्रह 97,100 करोड़ रुपये प्रति माह है, जबकि प्रथम वर्ष में यह राशि 89,700 करोड़ रुपये प्रति माह थी।

बुनियादी ढांचा

नागर विमानन – उड़ान योजना

- संचालित हवाई अड्डों की संख्या 100 से अधिक हुई
- नवीनतम – सिक्किम का पेकयोंग हवाई अड्डा
- घरेलू यात्री यातायात पिछले 5 वर्षों के दौरान दोगुना हुआ

सड़कें

- भारत दुनिया में सबसे तेज राजमार्ग बनाने वाला देश है
- रोजाना 27 किलोमीटर राजमार्ग का निर्माण किया जा रहा है

- रुकी परियोजनाएं पूरी हुई– दिल्ली के चारों और इस्टर्न पैरिफेरल हाईवे
- असम और अरूणाचल प्रदेश में बोगीबील रेल एवं सड़क पुल

जल मार्ग

- तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ सागरमाला का फ्लैगशिप कार्यक्रम
- पहली बार कोलकाता और वाराणसी अंतर्देशीय जल मार्गो पर कंटेनर आवाजाही शुरू हुई

रेल

- ब्रॉड गेज नेटवर्क पर सभी मानव रहित लेवल क्रासिंग समाप्त किए गए
- सेमी हाई स्पीड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की गई –पहली स्वदेवी विकसित और निर्मित ट्रेन

जलवायु परिवर्तन

- अंतर्राष्ट्रीय सौर संधि
- नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना
- पहला संधि आधारित अंतर्राष्ट्रीय अंतर सरकारी संगठन जिसका मुख्यालय भारत में है
- सौर विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित हुई, जिसमें पिछले 5 वर्षों के दौरान 10 गुनी बढ़ोतरी हुई
- अब यह लाखों नए युग के रोजगार सृजित कर रहा है

डिजिटल इंडिया क्रांति

- नागरिकों को सेवा सुविधा प्रदान करने के लिए 3 लाख से ज्यादा जन सुविधा केन्द्र (सीएससी)
- मोबाइल डेटा उपयोग में भारत विश्व के अग्रणी देशों में
- पिछले पांच वर्षों के दौरान मोबाइल डेटा के उपयोग में 50 गुनी वृद्धि
- मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत मोबाइल और इसके कल-पुर्जे बनाने वाली कंपनियों की संख्या 2 से बढ़कर 268 हुई, बढ़ी संख्या से रोजगार के अवसरों का सृजन
- जन धन-आधार-मोबाइल (जेएम) और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण
- पिछले 5 वर्षों के दौरान लगभग 34 करोड़ जन धन खाते खोले गए
- आधार सार्वभौमिक रूप से लागू
- गरीब तथा मध्यम वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके बैंक खातों में बिचौलियों की भूमिका समाप्त

सीमा शुल्क और विदेश व्यापार

- 36 पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क समाप्त किया गया
- आयात और निर्यात के लेन-देन का डिजिटलीकरण
- लॉजिस्टिक को बेहतर बनाने के लिए आरएफआईडी तकनीक

भ्रष्टाचार के खिलाफ कदम

- सरकार ने भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने का प्रयास किया, पारदर्शी के एक नये युग की शुरूआत
- रेरा और बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम से रियल स्टेट में पारदर्शिता
- भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 से आर्थिक अपराधियों की सम्पत्ति को जब्त करने में सहायता मिली
- कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधनों तथा स्पैक्ट्रम की पारदर्शी नीलामी
- काले धन के खिलाफ मुहिम
- काला धन कानून, भगोड़ा आर्थिक अपराधी, विमुद्रीकरण आदि के माध्यम से 1,30,000 करोड़ रुपये की अघोषित आय टैक्स दायरे में लाई गई
- 6,900 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति को जब्त किया गया
- प्रत्यक्ष कर में 18 प्रतिशत की वृद्धि
- बैंकिंग सुधार और शोधन अक्षमता व दिवालियापन संहिता (आईबीसी)
- आईबीसी ने समाधान अनुकूल व्यवस्था को संस्थागत रूप दिया
- सरकार ने फोन बैंकिंग की संस्कृति को बंद किया
- सरकार ने 4 रुपये की व्यवस्था को अपनाया – पहचान (Recognition), समाधान (Resolution), पुनः पूंजी प्रदान करना (Re-capitalization) और (Reforms)
- क्लीन बैंकिंग के लिए सरकार ने कई उपायों को लागू किया
- बैंकों के हित में सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपये की ऋण वसूली की
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए सरकार ने 2.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया

स्वच्छता

- गांधीजी की 150वीं जयंती की श्रद्धांजलि के रूप में सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की।
- वित्त मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन को एक राष्ट्रीय क्रांति बनाने के लिए 130 करोड़ भारतीयों को धन्यवाद दिया।
- भारत ने 98 प्रतिशत ग्रामीण स्वच्छता कवरेज हासिल किया
- 5.45 लाख गांवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया

रक्षा

- ओआरओपी को सही अर्थों में लागू किया जा रहा है, 35,000 करोड़ रुपये पहले ही वितरित किए जा चुके हैं।
- मिल्ट्री सर्विस पे में वृद्धि हुई।

अन्य उपलब्धियां

- सरकार ने भारी-भरकम एनपीए को छिपाने के सवालिया निशान वाले तौर-तरीकों पर विराम लगा दिया है।
- स्वच्छ भारत मिशन- लोगों के नजरिये में परिवर्तन लाने वाला विश्व का सबसे बड़ा अभियान ■

राष्ट्रात्मा व विश्वात्मा

दीनदयाल उपाध्याय

राष्ट्रीयता यद्यपि मूलतः भावात्मक है, तथापि उसके विरोधात्मक स्वरूप की अभिव्यक्ति यदा-कदा होते हुए भी इतनी प्रबल है कि जन-साधारण ही नहीं, बड़े-बड़े विचारक भी उसकी वास्तविकता को भूल जाते हैं। एक राष्ट्र और दूसरे राष्ट्र के बीच संघर्ष से उत्पन्न युद्ध और उसकी विभीषिका से वे इतने पीड़ित हैं कि उससे बचने के लिए वे राष्ट्र और राष्ट्रीय भावना को ही अवांछनीय और अशुद्ध बताकर समाप्त कर देना चाहते हैं। किंतु यह सिर में दर्द होने पर सिर को ही फोड़ देने के समान होगा। आंखों को वासना का मूल मानकर सूरदास ने आंखें फोड़ ली थीं। आज विश्व के अनेक विचारक सूरदास बनना चाहते हैं। जीवन और आंख का भावात्मक संबंध उन्हें नहीं सूझता।

पारस्परिक संघर्ष का भूत

सृष्टि के विकास की जीवन संघर्षात्मक कल्पना सम्मुख रखने के कारण पश्चिम के विद्वानों को जगत् की हर इकाई संघर्ष करती हुई दिखाई देती है। उनके अनुसार दो या अधिक इकाइयों में मेल तथा तज्जनित नवीन निकाय का अस्तित्व भी अन्य बलवतर शक्ति के साथ संघर्ष करने के लिए होता है। डार्विन ने प्राणिशास्त्र का, हेगेल ने दर्शन का तथा मार्क्स ने इतिहास का विवेचन इसी आधार पर किया। नीत्शे की जिन कल्पनाओं की परिणति हिटलर के नाजीवाद में हुई, उसका मूल इसी सिद्धांत में है। पूंजीवादी अर्थशास्त्र इस संघर्ष और प्रतियोगिता के सिद्धांत को ध्रुव सत्य और वैज्ञानिक तथ्य मानकर चलता है। इसी संघर्ष को सामुदायिक एवं संगठित स्वरूप देकर एक वर्ग को समाप्त कर वर्गविहीन समाज की कल्पना लेकर साम्यवाद चला है। ये सब राष्ट्र को संघर्ष के साधक अथवा बाधक के रूप में देखते हैं। जो राष्ट्रीयता के हामी हैं, वे इसलिए कि वे जो संघर्ष करना चाहते हैं, उसमें राष्ट्रीय भावना उनकी सहायक होती है और जो राष्ट्रीयता को मिटा देना चाहते हैं, वे केवल इसलिए कि जिस आधार पर विश्व संघर्ष की वे कल्पना करते हैं, उससे राष्ट्रीयता बेमेल है तथा हानि पहुंचा सकती है।

संघर्षात्मक विवेचन के आधार पर संघर्षविहीनता कैसे?

पश्चिम के इस दर्शन की उत्पत्ति का आधार ईश्वर और शैतान के बीच चलने वाली ईसाई कल्पना में हो सकता है। शैतान के चंगुल से बचकर ईश्वर की शरण में जाने के लिए जैसे ईसाई संप्रदाय की निर्मिति हुई, वैसे ही रक्षात्मक और विभेदात्मक आधार पर मानव की अन्य संस्थाओं की, जिनमें राष्ट्र भी आता है, सृष्टि हुई है।

जिस सहयोग, प्रेम और एकात्मता की आकांक्षा लेकर ये विचारक प्रयत्नशील हैं, जीवन का यह दर्शन उससे मेल नहीं खाता। संघर्षात्मक विवेचन के आधार पर संघर्षविहीन समाज की निर्मिति नहीं हो सकती। यदि मानव का अथवा प्राणिमात्र का मूल स्वभाव ही संघर्ष है, उसकी प्रत्येक क्रिया की प्रेरणा दूसरे को निगलकर खुद जीने की है, तो हम उसे दूसरे के लिए जीना और प्रेम नहीं सिखा सकते। यदि प्रेम और सहयोग का कोई आधार होगा भी, तो वह किसी प्रबलतर शत्रु के सम्मुख अपनी दुर्बलता और पराजय के भान से उत्पन्न होगा। यह अस्थायी होगा। इससे मानव में सद्भाव, त्याग, सेवा, सहिष्णुता, अनुशासन आदि जिन गुणों की निर्मिति होगी, वह एक नीति के तौर पर होगी। वे उसे मनुष्य या समाज के जीवन का अंग नहीं बना पाएंगे। दूसरों के साथ ईमानदारी के समान ही वे गुण रहेंगे। आपस में ईमानदारी बनाए रखने के लिए इन ठगों को कोई-न-कोई शिकार सदैव अपने सम्मुख रखना होगा। यदि ठगने के लिए कोई न बचा, तो फिर वे एक-दूसरे को ही ठगने लगेंगे। आज पश्चिम के राष्ट्रों के सम्मुख यही संकट उपस्थित है। यदि वे अपने विरोधियों और शत्रुओं को अपने मस्तिष्क से निकाल दें, तो स्वतः ही समाप्त हो जाएंगे। उनकी एकता का आधार टूट जाएगा और यदि वे इसी विरोधात्मक आधार पर चलते हैं तो उनके मानव की एकता और शांति आदि के लुभावने नारे कभी साकार नहीं हो सकते। राष्ट्रीयता उनके लिए सचमुच गले में फंसी हुई हड्डी के समान हो गई है। वे उसे छोड़ भी नहीं सकते और बनाकर रखते हैं तो उसके जाल में अधिकाधिक फंसते जाते हैं।

स्वार्थों का महल

दुनिया के देशों के राजनीतिज्ञ राष्ट्रीयता को समाप्त करने का आत्मघाती प्रयत्न नहीं कर सकते। इसलिए आज तो वे विश्व की एकता की आकांक्षा को केवल अपने-अपने राष्ट्र के स्वार्थों की पूर्ति तथा दूसरे के स्वार्थों के विनाश के लिए कैसे उपयोग किया जाए, इसी का विचार कर रहे हैं। फलतः संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था भी दो शिविरों में बंट गई है। एक-दूसरे से संघर्ष की तैयारी हो रही है। उसके लिए ही प्रजातंत्र और साम्यवाद के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया जा रहा है।

नवीन दर्शन चाहिए

यदि हम चाहते हैं कि विश्व संहार और विनाश से बचे, तो हमें इस स्थिति को बदलना होगा। राष्ट्र को बदलने की आवश्यकता नहीं। वह बदला नहीं जा सकता। हमें तो जीवन का दर्शन बदलना होगा। सृष्टि के विकास की सही विवेचना करनी होगी। पश्चिम के

खगोलशास्त्री कॉपर्निकस के पूर्व टॉलेमी के ही सिद्धांत को अकाट्य सत्य मानकर चलते थे। तब तक पृथ्वी के चारों ओर सूर्य घूमता था। बाद में सूर्य के चारों ओर पृथ्वी घूमने लगी। आज पश्चिम को ऐसे किसी क्रांतिकारी दर्शन की आवश्यकता है। ईश्वर और शैतान के द्वैत के स्थान पर अद्वैत का ज्ञान कराना होगा। यह जगत् संघर्षात्मक नहीं, तो सृजनात्मक है। बीज वृक्ष के रूप में संघर्ष के लिए नहीं तो अपने स्वतः के साक्षात्कार के लिए प्रकट होता है, उसके जीवन का उद्देश्य किसी का विनाश नहीं तो किसी के लिए अपने आपको समर्पित कर देना है। संपूर्ण सृष्टि एक-दूसरे को सहयोग देती हुई चल रही है। इसका आधार संघर्ष नहीं सहयोग है। पंचमहाभूत इसलिए एकत्र नहीं आते कि उन्हें मिलकर किसी से संघर्ष करना है, अपितु इसलिए कि वह उनकी प्रकृति है, उसी के द्वारा वे सृष्टिकर्ता की इच्छा को पूर्ण कर सकते हैं। यदि हम विकासवादी हैं तो सृष्टि के सृजन का नियम हमें स्वीकार करना चाहिए, विसर्जन या संहार का नहीं। यदि संपूर्ण सृष्टि में, सभी प्राणियों की चेतना में किसी एक शक्ति की प्रेरणा और इच्छा काम कर रही है तो वह निश्चित विधायक है, निर्माणात्मक है, एकात्मक और भावात्मक है, विनाशक और विभेदक नहीं। अभी प्रलयकाल नहीं। सर्जन की वेला में प्रलय का नियम कैसे चल सकता है?

संघर्ष–वृत्ति से मुक्त भारतीय कल्पना

भारत ने राष्ट्रीयता को भी संपूर्ण जगत् और जीवन की विवेचना के आधार पर इसी भावात्मक रूप में देखा है। हमारी राष्ट्रीयता दूसरों से संघर्ष और उनके साथ प्रतियोगिता पर जीवित नहीं रही। समय-समय पर ऐसे संघर्ष आए हैं, किंतु उनकी राष्ट्रमानस पर कोई गहरी छाप नहीं। हां, राष्ट्र-जीवन की विकृति को समाप्त करने के लिए जो घर में संघर्ष करने पड़े, उनका प्रभाव बहुत गहरा है। राम-रावण और महाभारत के युद्ध परायों से नहीं, अपनों के साथ ही हुए। उन्हें हम भुलाए से भी नहीं भूल सकते।

राष्ट्र : भगवती प्रकृति की योजना

हमारी दृष्टि में राष्ट्रों का आविर्भाव किसी ऐतिहासिक संयोग के कारण नहीं, अपितु दैवी प्रकृति की मूल योजना के कारण है। कोट्यावधि मानव राष्ट्र के रूप में किसी कृत्रिम उपाय से एकत्र नहीं आ सकते। उनके जीवन की एकसूत्रता, मातृभूति के प्रति समान प्रेम, समान शत्रु-मित्र भाव तथा उस सबसे बढ़कर जीवन की इतिकर्तव्यता के संबंध में समान भाव किसी बाह्य प्रचारतंत्र के द्वारा उत्पन्न नहीं किए जा सकते । राष्ट्र-जीवन में दिखनेवाली समानताएं किसी अंतर्निहित चेतन तत्त्व की अभिव्यक्ति मात्र हैं। ये राष्ट्र के लक्षण है, कारण नहीं। पश्चिम के विद्वान् लक्षणों को कारण मानकर कृत्रिम रूप से राष्ट्र-निर्माण की कल्पना करते हैं। प्रथम विश्वयुद्ध के उपरांत वर्साय की संधि' ने यूरोप में ऐसे कई राष्ट्र उत्पन्न करने का प्रयत्न किया। किंतु दूसरे विश्वयुद्ध ने बता दिया कि उनका प्रयत्न असफल रहा। हरिद्वार के एक कुंभ मेले में भारी भीड़ देखकर एक अमरीकी यात्री ने स्व. पं. मदन मोहन मालवीय (वे उस समय जीवित थे) से पूछा कि इस मेले के लिए प्रचार में कितना व्यय हुआ होगा और कौन-कौन से उपाय अपनाए गए। मालवीयजी ने पंचांग खोलकर जिस स्थान पर 'कुंभ पर्व' का उल्लेख था, वह दिखाते हुए कहा, 'हमारा यही प्रचार है, और इस एक लाइन के छापने में क्या ख़र्च हुआ होगा, इसका अंदाजा आप स्वयं लगा लें।' अर्थात् कुंभ पर्व जैसे अनेक पर्व और त्यौहार राष्ट्र के अस्तित्व के परिणाम हैं, कारण नहीं।

भारत ने राष्ट्रीयता को भी संपूर्ण जगत् और जीवन की विवेचना के आधार पर इसी भावात्मक रूप में देखा है। हमारी राष्ट्रीयता दूसरों से संघर्ष और उनके साथ प्रतियोगिता पर जीवित नहीं रही। समय-समय पर ऐसे संघर्ष आए हैं, किंतु उनकी राष्ट्रमानस पर कोई गहरी छाप नहीं। हां, राष्ट्र-जीवन की विकृति को समाप्त करने के लिए जो घर में संघर्ष करने पड़े, उनका प्रभाव बहुत गहरा है।

विश्वात्मा और राष्ट्रात्मा

जीवात्मा के समान राष्ट्रात्मा के स्थायित्व एवं उसके विश्वात्मा के साथ अभिन्न संबंधों के आधार पर ही हम उनके विकास की वह धारा निश्चित कर सकेंगे, जो विरोधात्मक न होकर विधायक होगी। सेना की एक टुकड़ी की उन्नति तथा उसके कर्तव्यों की सही पूर्ति संपूर्ण सेना द्वारा निर्धारित योजना में से अपने लिए निश्चित कार्य का योग्यतम संपादन ही है। आर्थिक दृष्टि से विभागीय और क्षेत्रीय तज्ञता (Specialisation) के सिद्धांत का प्रतिपादन करने वाले पश्चिम के दार्शनिक ये क्यों भूल जाते हैं कि प्रत्येक राष्ट्र सर्वसत्ता की ओर से एक विशेष मिशन लेकर पैदा हुआ है। उसका यह मिशन दूसरों के लिए विनाशक नहीं, सृष्टि के परिपालन में सहायक ही हो सकता है। इस कार्य की पूर्ति में अपनी संपूर्ण शक्तियों को लगा देना ही उस राष्ट्र के विकास का सर्वोत्तम और एकमेव साधन है। राष्ट्रों की इस विशेषता को मिटाकर सबको एक मानवता के नाम पर एक ही सांचे में ढालने का प्रयत्न करना जीवन के नियमों के अज्ञान का द्योतक है।

संघर्ष विकृति का परिणाम

अपने-अपने निश्चित कार्य के लिए उत्पन्न राष्ट्र यदि कभी टकरा जाते हैं तो वह उनके विकार का द्योतक है, अपने जीवनोद्देश्य की विस्मृति का परिणाम है तथा मानव के लंबे

और विविध इतिहास में अपवादस्वरूप ही है। रोज़ हज़ारों मील दौड़ने वाली रेलगाड़ियों में कभी-कभी होने वाली टक्कर चिंता का विषय हो सकती है, किंतु उससे हम उनके दिन प्रतिदिन के विधायक कृत्य को आंखों से ओझल नहीं कर सकते, न हम यह मानकर चल सकते हैं कि दौड़ने वाली रेलगाड़ियों का उद्देश्य ही एक-दूसरे से टकराना या संघर्ष करना है। टक्कर को रोकने का मार्ग प्रत्येक रेलगाड़ी के संचालक को अपने उद्देश्य एवं संचारण के नियमों के संबंध में अधिक सावधान तथा सतर्क करना ही है। सभी राष्ट्रों को सह-अस्तित्व संभव ही नहीं, अपरिहार्य है। किंतु यह सह-अस्तित्व दो पहलवानों का, जब तक जूझते नहीं, तब तक खम ठोकते रहने का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता। सी-सॉ (See-Saw) पर बैठे हुए दोनों बच्चों के सह-अस्तित्व से भी इसकी तुलना नहीं की जा सकती। यह तो इंद्रधनुष के सातों रंगों जैसा सह-अस्तित्व है, जिसमें प्रत्येक अपने व्यक्तित्व को बनाए रखते हुए भी संपूर्ण के सौंदर्य में अपना योगदान देता है। चित्र की प्रत्येक रेखा का अपना महत्त्व है। उनके कारण चित्र है और चित्र के कारण प्रत्येक रेखा की सार्थकता है। जो वक्ररेखा मनुष्य के चित्र में कान की आकृति का आभास देती है, वही अन्यत्र कोई दूसरा रूप धारण कर सकती है अथवा अर्थहीन सिद्ध हो सकती है। हम न तो उसकी वक्रता को मिटा सकते हैं और न उसे संपूर्ण चित्र से अलग करके रख सकते हैं। दोनों में ही उसका विनाश है। राष्ट्र भी जब अपनी इस विशेषता और पूरकता का ज्ञान कर सह-अस्तित्व का विचार करेंगे, तभी एक सुंदर संसार का सृजन कर सकेंगे।

यह तभी संभव है, जब हम संघर्ष के स्थान पर सहयोग को जीवन का सत्य दर्शन मानकर चलें। भारत अपने राष्ट्र-जीवन को इसी आधार पर व्यतीत करता आ रहा है। पश्चिम से संपर्क में आने पर अंग्रेजों का विरोध करने के लिए यहां भी पश्चिमी राष्ट्रीयता के आधार पर विरोधात्मक राष्ट्र-निर्माण के प्रयत्न आरंभ हुए। किंतु उनको सफलता नहीं मिली। इस प्रकार राष्ट्र-जागरण जल बुदबुदवत् ही सिद्ध हुआ। हां, उसने राष्ट्र-मानस में कुछ विकृतियां अवश्य उत्पन्न कर दी है, जिनका हमें शोधन करना होगा। आज दिखने वाली प्रांतीयता, जातिवाद, गुटबंदी आदि की भावनाएं उसी जीवन-दर्शन का परिणाम हैं। उन्हें मिटाने के लिए कभी-कभी एकरूपता थोपने के प्रकृति-विरुद्ध प्रयत्न किए जाते हैं। जीवन की दिशा का ज्ञान होने पर प्राणशक्ति का संचार होते ही ये विघटनात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी। आइए, हम अपने एकात्मक एवं विधायक राष्ट्र के निर्माण के इस प्रयत्न में जुट जाएं; धारणात्मक होने के कारण यही हमारा और विश्व का धर्म है। इसी से हम कल्याण की ओर अग्रसर हो सकेंगे। ■

(-पाञ्चजन्य, अक्तूबर 31, 1959)

वाई. सत्या कुमार बने केरल लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं निर्मल सुराना सहप्रभारी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 14 फरवरी को पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री वाई. सत्या कुमार को केरल का प्रभारी और श्री निर्मल सुराना को सह प्रभारी नियुक्त किया।

कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3700 रुपये से बढ़कर 3950 रुपये प्रति क्विंटल हुआ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 13 फरवरी को 2019-20 सीजन के लिए कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की मंजूरी दे दी। कच्चे जूट की उचित औसत किस्म (एफएक्यू) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2019-20 सीजन के लिए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 3950 रुपये कर दिया गया, जो 2018-19 के सीजन में 3700 रुपये प्रति क्विंटल था।

गौरतलब है कि एमएसपी से अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 55.81 प्रतिशत का मुनाफा होगा। कच्चे जूट के एमएसपी से किसानों को उचित न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित हो सकेगा और जूट की खेती में निवेश करने में तेजी आएगी तथा इससे देश में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ेगी। भारतीय पटसन निगम जूट उत्पादक राज्यों में एमएसपी पर मूल्य समर्थन कार्य शुरू करने के लिए केन्द्रीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना जारी रखेगी।

दरअसल, बढ़ा हुआ एमएसपी कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों पर आधारित है जिसने एमएसपी की सिफारिश करते समय उत्पादन लागत, कुल मांग और आपूर्ति, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों, दो फसलों के बीच मूल्यों की समानता, कृषि और गैर कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तों और उपयोगकर्ता उद्योगों पर एमएसपी के संभावित प्रभाव तथा न्यूनतम 50% भारित औसत उत्पादन लागत पर मुनाफे को ध्यान में रखा। ■

एक डूबते वंश को बचाए रखने के लिए कितने झूठ बोलने की जरूरत है?

अरुण जेटली

सत्य अनमोल और पवित्र होता है। ऐसा देखा गया है कि परिपक्व लोकतंत्रों में, जानबूझकर झूठ पर भरोसा करने वाले जल्द ही सार्वजनिक जीवन से गायब हो जाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत के बदलते सामाजिक-आर्थिक ढांचे में यह अनिवार्य रूप सही साबित होगा।

आधुनिक विश्व में राजवंशों की स्वाभाविक रूप से अपनी सीमाएं हैं। आज का महत्वाकांक्षी समाज राजवंशों की परंपरा से घृणा करता हैं। वे जवाबदेही और प्रदर्शन पर जोर देते हैं, लेकिन भारतीय राजनीति की एक सबसे पुरानी पार्टी दुःख रूप से एक वंश की बंदी बन गई है। जिसके ज्यादातर वरिष्ठ नेताओं के पास साहस और नैतिक अधिकारों की कमी है। वह राजवंशों की परंपरा के खिलाफ खुलकर कुछ कहने में कतराते है। इस प्रवृत्ति का जन्म 1970 के दशक में हुआ; आपातकाल के दौरान यह अपने चरमोत्कर्ष पर रहा और तब से ही जारी है। वरिष्ठ नेताओं की 'दास' मानसिकता उन्हें आश्वस्त करती रही है कि उन्हें केवल राजवंश द्वारा लिखित गीत ही गाने हैं। उनकी एक विरोधाभासी राय, उनके राजनीतिक जीवन के लिए बेहद घातक साबित हो सकती है। जब राजवंश झूठ बोलता है, तो वे सभी उसकी हां में हां मिलाते हैं।

डूबते राजवंश को बचाने के लिए कितने झूठ बोलना जरूरी है? असत्य का संक्रामक प्रभाव काफी विस्तृत होता है और ऐसा प्रतीत होने लगा है कि यह संक्रमण 'महाझूठबंधन' के अन्य सहयोगियों में भी फैल गया है। राफेल सौदे के संबंध में जहां हजारों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन की बचत हुई है, वहीं इस मामले में रोज एक नए झूठ का पुलिंदा गढ़ा जा रहा है। इस कड़ी में नवीनतम झूठ सीएजी को लेकर फैलाया जा रहा है, जो राफेल सौदे की निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी से संबंधित है। 2014-15 में, वर्तमान सीएजी वित्त मंत्रालय में सचिव (आर्थिक मामले) थे। एक समय में सबसे वरिष्ठ होने के नाते, उन्हें वित्त सचिव के रूप में भी नामित किया गया था। मैं किसी विरोधाभास के बिना यह बात कह सकता हूं कि राफेल लेनदेन से संबंधित कोई भी फाइल या कागज कभी उसके पास नहीं पहुंचा और न ही वह किसी भी तरह से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा खरीद पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार रहें। यहां यह भी स्पष्ट करना जरुरी है कि सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा खरीद पर किए जाने वाले व्यय को सचिव (व्यय) के अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

फिर सीएजी के विषय में गैर जरुरी विवाद क्यों खड़ा किया जा रहा है? राजवंश जानता है कि उसका 500 करोड़ बनाम 1600 करोड़ वाला तर्क एक काल्पनिक कहानी है। कोई भी इस पर विश्वास नहीं करेगा, क्योंकि तथ्य इसका समर्थन नहीं करते हैं। सीएजी रिपोर्ट संसद में पेश होने से पहले ही, इस संस्था पर हमला शुरू हो गया था। राजवंशी पार्टी और उसके सहयोगियों ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट को अपना निशाना बनाया, जब कोर्ट द्वारा राफेल सौदे पर दायर याचिका को खारिज कर दिया था। इस याचिका में

संसद में सीएजी रिपोर्ट पेश

यूपीए सरकार के मुकाबले एनडीए सरकार की राफेल खरीद 2.86% सस्ती

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने 13 फरवरी, 2109 को संसद में राफेल सौदे से संबंधित अपनी रिपोर्ट पेश की। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कहना है कि एनडीए सरकार द्वारा हस्ताक्षरित राफेल फाइटर जेट सौदा यूपीए सरकार की तुलना में 2.86 प्रतिशत सस्ता है। सीएजी रिपोर्ट में कहा गया कि विशिष्ट संवर्द्धन के संबंध में, यह सौदा 17.08 प्रतिशत सस्ता था। रिपोर्ट में, ऑडिटर ने कहा कि यूपीए सरकार की तुलना में तैयार हालत में 36 राफेल लड़ाकू जेट विमानों की डिलीवरी के संबंध में 2016 के अनुबंध में एक महीने का सुधार हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार 2007 में डसॉल्ट द्वारा जो डिलीवरी शेड्यूल पेश किया गया था, उसके मुताबिक पहले 18 तैयार विमानों को अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के 37 से 50 महीनों के बीच भारत को दिए जाने की बात कही गई थी। वहीं अगले 18 विमानों की डिलीवरी, जिन्हें एचएएल के साथ बनाना था, अनुबंध के हस्ताक्षर के 49वें से 72वें महीने में दिया जाना निश्चित हुआ था।

मूल्य-निर्धारण के संबंध में दिए गए सभी तर्क तथ्यात्मक रूप से गलत थे। उनका तर्क है कि इस रक्षा सौदे में किसी रक्षा अधिग्रहण परिषद, सीसीएस और अनुबंध वार्ता समिति को शामिल नहीं किया गया, जो एक कोरा झूठ है। एक निजी कंपनी को रु. 30,000 करोड़ का लाभ देने वाली बात भी एक कोरी अफवाह के सिवाय कुछ नहीं है। वहीं एक अखबार द्वारा अधूरा दस्तावेज़ पेश करना भी इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना है। एक अधूरे दस्तावेज़ का उपयोग निश्चित रूप से स्वतंत्र विचार की भावना के अनुरूप नहीं है और जहां तक 'नो इंटिग्रिटी पैक्ट' की बात है, तो रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ इससे पहले हुए रक्षा सौदों में भी इस शर्त को शामिल नहीं किया गया था, तो इसमें कुछ नया नहीं है। अब सबूतों के बिना, सीएजी को लेकर एक काल्पनिक संघर्ष का आविष्कार किया जा रहा है।

अब डूबते राजवंश को बचाए रखने के लिए कितने और झूठ बोलेंगे? भारत, निश्चित रूप से एक बेहतर व्यवस्था का हकदार है। ■

(लेखक केंद्रीय मंत्री हैं)

संसद में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 12 फरवरी को संसद के केन्द्रीय कक्ष में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र का अनावरण किया। उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और कहा कि अब अटल जी संसद के केन्द्रीय कक्ष में सदैव रहेंगे। वे हमें निरंतर प्रेरणा और आशीर्वाद देते रहेंगे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा, मानवता के लिए मूल्यों और लोगों के लिए अपार स्नेह को स्मरण करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यदि हम अटल जी की अच्छाइयों के बारे में बात करेंगे तो इसमें घंटों लग जाएंगे।

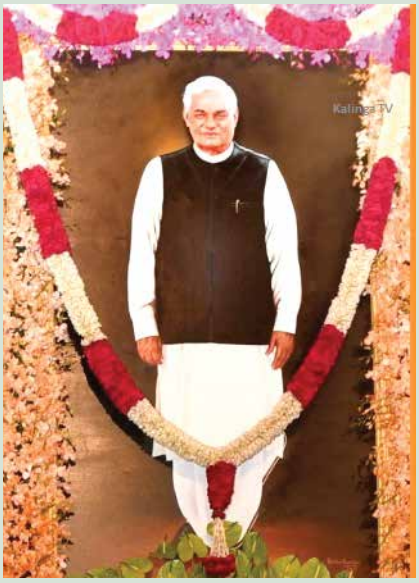

श्री मोदी ने कहा कि अटल जी ने अपने राजनीतिक जीवन का अधिकांश समय विपक्ष में बिताया, फिर भी उन्होंने सदैव जनहित से जुड़े मुद्दे उठाए और अपने सिद्धांतों से कभी विचलित नहीं हुए। अटल जी के संवाद कौशल को बेमिसाल बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनमें उच्च स्तर की हास्य-ज्ञान अभिव्यक्ति भी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी के भाषणों की ही भांति उनका मौन भी उतना ही प्रभावशाली था। श्री मोदी ने कहा 'कब बोलना है और कब मौन रहना है, यह उनकी असाधारण विशेषता थी।' प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि हम उनसे यह एक महत्वपूर्ण संदेश ले सकते हैं कि लोकतंत्र में कोई दुश्मन नहीं होता, बल्कि केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होते हैं। ■

'प्रधानमंत्रीजी के वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने के प्रयासों को सम्मान'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 फरवरी को कहा कि दक्षिण कोरिया के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय सियोल पीस प्राइज कल्चरल फाउंडेशन द्वारा भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति में योगदान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रतिष्ठित सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित करना सवा सौ करोड़ देशवासियों के लिए गर्व एवं खुशी का क्षण है। अपने सामाजिक और आर्थिक प्रयासों से अखिल विश्व को प्रभावी संदेश देने वाले लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के माध्यम से गौरवान्वित करने का एक और अवसर देने के लिए मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 14वें सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार से सम्मानित किये जाने के पूर्व कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धियों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में इससे जुड़ी एक फिल्म भी दिखाई गई जिसमें बताया गया कि किस तरह श्री नरेन्द्र मोदी एक अत्यंत साधारण परिवार से निकल कर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद दिखाया गया कि वे कैसे विश्व के सभी देशों को एकसाथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के क्लीन इंडिया की भी काफी तारीफ की गई। इसके अतिरिक्त पर्यावरण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की चिंता एवं सोलर पावर को बढ़ावा देने की उनकी कोशिशों की भी तारीफ हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर ही इंटरनेशनल सोलर अलायंस का गठन किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पुरस्कार में मिले लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि को मां गंगा को साफ करने के लिए चलाई जा रही योजना 'नमामि गंगे' को देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में फिर से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में संपूर्ण विश्व से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि भारत पिछले 40 वर्षों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहा है। अब वक्त आ गया है कि सब मिलकर ऐसी नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दें, जो मानवता में विश्वास करते हैं और ऐसा करके ही पूरी दुनिया में शांति स्थापित की जा सकती है।

वैश्विक शांति, मानव विकास में सुधार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, भ्रष्टाचार को समाप्त करने और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से भारत में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अमूल्य योगदान के लिए सियोल पीस प्राइज कल्चरल फाउंडेशन ने उन्हें सम्मानित किया है। यह पुरस्कार प्रधानमंत्री जी के वैश्विक सहयोग एवं वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ाने के प्रयासों का सम्मान है।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि अंतर्राष्ट्रीय सियोल पीस प्राइज कल्चरल फाउंडेशन ने अमीरों और गरीबों के बीच सामाजिक और आर्थिक खाई को कम करने के लिए 'मोदीनॉमिक्स' की प्रशंसा की है जिसकी अवधारणा ही 'सबका साथ, सबका विकास' है। ■

नरेन्द्र मोदी को 'सियोल शांति पुरस्कार'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को वैश्विक आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करने तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए 22 फरवरी को 2018 का प्रतिष्ठित 'सियोल शांति पुरस्कार' प्रदान किया गया। श्री मोदी को यह पुरस्कार सियोल पीस प्राइज फाउंडेशन ने प्रदान किया।

इस अवसर पर श्री मोदी के जीवन तथा उनकी उपलब्धियों पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। श्री मोदी को यह पुरस्कार देते वक्त पुरस्कार समिति ने अपने संभाषण में भारतीय तथा वैश्विक अर्थ व्यवस्थाओं में वृद्धि में उनके योगदान को स्वीकार किया। अमीर और गरीब के बीच की सामाजिक तथा आर्थिक खाई को कम करने के लिए 'मोदीनॉमिक्स' को श्रेय दिया।

साथ ही समिति ने अन्य देशों के साथ सक्रिय नीति के जरिए क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति के क्षेत्र में उनके योगदान को भी श्रेय दिया। यह सम्मान पाने वाले श्री मोदी 14वें व्यक्ति हैं। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल जैसी जानी मानी हस्तियां तथा संगठन यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। इस पुरस्कार की स्थापना सियोल में आयोजित 24वें ओलंपिक खेलों की सफलता के जश्न में 1990 में की गई थी। ■

प्रधानमंत्री ने भारत की पहली सबसे तेज ट्रेन 'वंदे भारत' को हरी झंडी दिखायी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 फरवरी को भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखायी। इस अवसर पर रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल और रेलवे बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे और वे भी ट्रेन के उद्घाटन सफर का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री ने कहा, ''दिल्ली से वाराणसी की अपनी पहली यात्रा पर आज रवाना हुई वंदे भारत एक्सप्रेस के डिजाइनरों और इंजीनियरों का मैं आभारी हूं। पिछले साढ़े चार साल में अपनी ईमानदारी और कड़ी मेहनत से हमने रेलवे को सुधारने का प्रयास किया है।"

यह ट्रेन दिल्ली से वाराणसी का सफर नौ घंटे और 45 मिनट में पूरा करेगी। इसमें कानपुर और इलाहाबाद में 40-40 मिनट का ठहराव का समय भी शामिल है, जहां विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रधानमंत्री ने ट्रेन का जायजा लिया और कहा कि उन्हें गर्व महसूस हो रहा है कि चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में 18 महीने में इस तरह की ट्रेन का स्वदेशी रूप से निर्माण किया गया।

सेमी हाई स्पीड 'ट्रेन 18' का नाम हाल में 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रखा गया। यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकती है और इसमें शताब्दी ट्रेनों जैसी यात्री श्रेणी लेकिन बेहतर सुविधाएं हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को बिल्कुल नया यात्रा अनुभव प्रदान करना है। ट्रेन के लिये टिकट की बुकिंग शुरू हो गयी है और आम जनता के लिये यह ट्रेन 17 फरवरी से दिल्ली से वाराणसी के बीच सप्ताह में पांच दिन चला करेगी।

इसमें 16 वातानुकूलित कोच हैं जिनमें दो एक्जीक्यूटिव श्रेणी के हैं। ट्रेन में कुल 1,128 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। कोचों और ड्राइविंग कोच में सीटों के नीचे बिजली के सभी उपकरणों को रखने के कारण इस ट्रेन में उतनी संख्या की कोच वाली परंपरागत शताब्दी रेकों से कहीं अधिक सीटें है।

सभी कोच में स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित दृश्य-श्रव्य यात्री सूचना प्रणाली, मनोरंजन के उद्देश्य से ट्रेन के अंदर हॉटस्पॉट वाईफाई और बेहद आरामदायक सीटें हैं। सभी शौचालय बायो-वैक्यूम किस्म के हैं। डिब्बों में दो प्रकार की प्रकाश सुविधा दी गयी है। एक सभी यात्रियों के लिये सामान्य प्रकाश की सुविधा और हर सीट पर अलग से प्रकाश की व्यवस्था भी है।

यात्रियों को गर्मागर्म भोजन और शीतल पेय पदार्थ परोसने के लिये हर कोच में पैंट्री (रसोई) की व्यवस्था है। यात्रियों के अतिरिक्त आराम के लिये डिब्बों में गर्मी और ध्वनि से बचाव की विशेष व्यवस्था की गयी है। कार्बन फुटप्रिंट रोकने के लिए रेलगाड़ी में री-जेनरेटिव ब्रेक प्रणाली लगायी गयी है, जिससे 30 प्रतिशत बिजली की बचत होगी। ■

प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड में कई विकास परियोजनाओं का अनावरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र ने 17 फरवरी, 2019 को झारखंड के हजारीबाग का दौरा किया। श्री मोदी ने झारखंड के लिए अनेक विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर झारखंड की राज्यपाल सुश्री द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय मंत्री श्री जयंत सिन्हा और झारखंड के मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "राष्ट्र के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले झारखंड के वीर सपूत श्री विजय सोरेंग को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। कदम-कदम पर हमें शहीदों के परिजनों की देखभाल करनी होगी।"

श्री मोदी ने हजारीबाग, दुमका और पलामू में चिकित्सा महाविद्यालय का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2017 में इस महाविद्यालयों का शिलान्यास किया गया था। इन नये चिकित्सा महाविद्यालयों के निर्माण पर 885 करोड़ रुपये की लागत आई है। प्रत्येक महाविद्यालय परिसर को दिव्यांगों के अनुकूल बनाया गया है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से झारखंड के 11 जिलों के 1.5 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि यह झारखंड की धरती है, जहां आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना से झारखंड के हजारों लोगों सहित देश भर में लाखों लोग लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। श्री मोदी ने हजारीबाग, दुमका, पलामू और जमशेदपुर में 500 बिस्तरों वाले चार अस्पतालों की आधारशिला रखी।

श्री मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य और सुरक्षित पेयजल को अलग रूपों में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि झारखंड में जिन जल परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है, उनसे यहां के लोगों का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने रामगढ़ और हजारीबाग जिले में ग्रामीण जल आपूर्ति के लिए चार योजनाओं का उद्घाटन किया।

इसके अलावा उन्होंने इन दोनों जिलों में ग्रामीण जल आपूर्ति की छह अतिरिक्त योजनाओं की भी आधारशिला रखी। साथ ही, उन्होंने खासतौर पर कमजोर जनजातीय समूहों के आसपास जल आपूर्ति योजनाओं का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने हजारीबाग में शहरी जल आपूर्ति योजना का भी शिलान्यास किया। इस परियोजना पर 500 करोड़ रुपये की लागत है तथा इससे हजारीबाग के 56000 परिवारों के लिए सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी।

श्री मोदी ने नमामि गंगे योजना के तहत साहेबगंज सीवरेज उपचार संयंत्र और मधुसूदन घाट का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने ई-नाम के तहत मोबाइल फोनों की खरीद हेतु किसानों के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के प्रतीक के तौर पर चुनिंदा लाभार्थियों को चेक सौंपे।

श्री मोदी ने कहा कि इस योजना से 27 लाख किसान लाभान्वित होंगे। स्मार्ट फोन की मदद से उन्हें मौसम की जानकारी और फसलों की कीमतों के बारे में जानकारी मिलने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं और खेती की नई विधियों के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने रामगढ़ में केवल महिला अभियंत्रण महाविद्यालय का इंटरनेट (ई-इनोग्रेशन) के माध्यम से उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत में अपने तरह का यह पहला महाविद्यालय है और पूरे भारत में इसका तीसरा स्थान है, जहां केवल महिलाएं ही अभियंत्रण का अध्ययन करेंगी।

श्री मोदी ने जनजातीय अध्ययन केंद्र, आचार्य विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग की भी आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि इस संस्थान से जनजातीय तौर-तरीके और संस्कृति पर आधारित जानकारी के पोषण और विस्तार में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा में गरीबों, महिलाओं, युवाओं और जनजातीय लोगों सहित समाज के सभी हिस्से के सशक्तिकरण पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और जनजातीय लोगों के लिए महाविद्यालय की सुविधा प्रदान करना इसी दिशा में किए गए प्रयास हैं।

श्री मोदी ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए कान्हा दुग्ध योजना की शुरुआत के तौर पर चुनिंदा स्कूली बच्चों को दूध की थैलियां वितरित की। छात्रों को प्रतिदिन 200 मिली दूध दिया जाएगा, जिससे उन्हें कुपोषण से उबरने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं आशा करता हूं कि प्रत्येक बच्ची अपने सपने को पूरी तरह साकार करेगी और राष्ट्र को गौरवान्वित करेगी।"

श्री मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार संग्रहालयों और स्मारकों में हमारी स्वतंत्रता की लड़ाई के जनजातीय वीरों की स्मृति को संरक्षित करने तथा बढ़ावा देने की दिशा में प्रयारत है। झारखंड का बिरसा मुंडा संग्रहालय एक ऐसा ही उदाहरण है। ■

पाकिस्तान के नापाक इरादों का ठोस जवाब देगा भारतः नरेन्द्र मोदी

पहाड़ी बांध आधुनिकीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 फरवरी को झांसी का दौरा किया। उन्होंने झांसी में रक्षा गलियारे का शिलान्यास किया और विभिन्न विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "हमारे पड़ोसी के नापाक इरादों का भारत के लोगों द्वारा माकूल जवाब दिया जाएगा। विश्व की सभी प्रमुख शक्तियां हमारे साथ खड़ी हैं और हमें समर्थन दे रही हैं। जो संदेश मुझे प्राप्त हुए हैं उनसे प्रदर्शित होता है कि वे न केवल दुःखी हैं, बल्कि क्रुद्ध भी हैं। हर कोई आतंकवाद को समाप्त करने के समर्थन में है।"

प्रधानमंत्री ने कहा हमारे बहादुर जवानों ने अपने जीवन का बलिदान किया है और उनके बलिदान व्यर्थ नहीं जाएंगे। उन्होंने वादा किया कि पुलवामा हमले के साजिशकर्ताओं को सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा, "हमारा पड़ोसी देश भूल गया है कि यह एक नया भारत है। पाकिस्तान भीख के कटोरे के साथ दुनिया भर में घूम रहा है, लेकिन उसे विश्व से कोई सहायता नहीं मिल रही है।"

रक्षा गलियारे का शिलान्यास करते हुए श्री मोदी ने कहा कि झांसी आगरा क्षेत्र में रक्षा गलियारा इस क्षेत्र के युवाओं के लिए बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करेगा। विदेश और देश की कई रक्षा संबंधित कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश करेंगी। उन्होंने कहा कि वे इस क्षेत्र में श्रमबल को कौशल विकास भी प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री ने परियोजना के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि युवा अपने गृहनगर से ही आजीविका प्राप्त कर सकेंगे और उन्हें प्रवासित होने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि रक्षा गलियारा भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायता करेगा।

श्री मोदी ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के लिए पाइप युक्त जल योजना का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक पाइप लाइन परियोजना है, बल्कि इस सूखाग्रस्त क्षेत्र के लिए एक जीवनरेखा भी है। यह हमारी माताओं और बहनों के सुदूर क्षेत्र से जल ढोने के श्रम से बचाएगा और पाइप युक्त कनेक्शन के जरिए प्रत्येक घर तक पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

अमृत स्कीम के तहत प्रधानमंत्री ने झांसी नगर पीने का पानी स्कीम चरण-II का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि झांसी एवं निकटवर्ती गांवों के लिए पीने के पानी के प्रयोजन हेतु बेतवा नदी के पानी का उपयोग करने से संबंधित 600 करोड़ रुपए की एक परियोजना जल्द ही आरम्भ होगी।

प्रधानमंत्री द्वारा इस अवसर पर 425 किलोमीटर लंबी झांसी-माणिकपुर और भीमसेन-खैरवार रेल लाइन के दोहरीकरण और झांसी में कोच रिफर्बिशिंग वर्कशॉप का भी शिलान्यास किया गया। श्री मोदी ने झांसी-खैरवार खंड के 297 किलोमीटर लंबे खण्ड के विद्युतीकरण का उद्घाटन किया।

ये परियोजनाएं बड़ी संख्या में रोजगार अवसरों का सृजन करेंगी और बुन्देलखण्ड क्षेत्र के समग्र विकास में सहायक होंगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इच्छा जताई कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र का भी गुजरात के

कच्छ की तरह विकास होगा जो कि इसी क्षेत्र के समान है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को निर्बाधित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आज पश्चिम-उत्तर अंतः क्षेत्र विद्युत पारेषण सुदृढ़ीकरण परियोजना राष्ट्र को समर्पित की गई, जो इस क्षेत्र में बिजली की मांग को पूर्ति करने में सहायक होगी। पहाड़ी बांध आधुनिकीकरण परियोजना का उद्घाटन एक अन्य आकर्षण रहा। यह परियोजना बांध से पानी के रिसाव में कमी लाने के जरिए किसानों को लाभ पहुंचाएगी और किसानों के लिए और अधिक जल उपलब्ध हो सकेगा।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सीधे किसानों के बैंक खातों में लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपए जमा किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार लाभार्थियों के बैंक खातों में सब्सिडी, छात्रवृति इत्यादि के सीधे अंतरण से राजस्व रिसाव में एक लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। ■

बिहार हेतु 33,000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

बिहार में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, ऊर्जा सुरक्षा एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के विकास को उल्लेखनीय बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 17 फरवरी को बरौनी में 33,000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल श्री लालजी टंडन, मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी, केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री रामविलास पासवान भी उपस्थित थे।

श्री मोदी ने बटन दबाकर डिजिटल तरीके से 13,365 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से पटना मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला रखी। इसमें दो गलियारे होंगे- दानापुर से मीठापुर एवं पटना रेलवे स्टेशन से नया आईएसबीटी और इसके पांच वर्षों में पूरे हो जाने की संभावना है। यह परियोजना पटना एवं समीपवर्ती क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को सुगम बनाएगी। श्री मोदी ने इस अवसर पर जगदीशपुर-वाराणसी प्राकृतिक गैस पाइप लाइन के फूलपुर से पटना विस्तार का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इसे अपने विजन के एक अन्य उदाहरण के रूप में उल्लेखित करते हुए कि जिन परियोजनाओं का शिलान्यास उनके द्वारा किया जाता है, उसका उद्घाटन भी वे ही करते हैं, प्रधानमंत्री ने स्मरण दिलाया कि उन्होंने जुलाई 2015 में यह परियोजना आरंभ की थी। श्री मोदी ने कहा 'यह पटना में पाइप्ड गैस आपूर्ति आरंभ करने के अतिरिक्त स्थानीय उद्योगों एवं पुनर्जीवित बरौनी फर्टिलाइजर फैक्ट्री को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। गैस आधारित पारिस्थितिकी तंत्र क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करेगा।'

इस क्षेत्र के लिए उनकी प्राथमिकताओं की एक झलक के रूप में प्रधानमंत्री ने कहा 'सरकार पूर्वी भारत और बिहार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।' प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना के तहत, वाराणसी, भुवनेश्वर, कटक, पटना, रांची और जमशेदपुर को गैस पाइप लाइन के जरिए जोड़ा जा रहा है। श्री मोदी ने पटना में पटना सिटी गैस वितरण परियोजना का उद्घाटन किया, जो पटना सिटी और निकटवर्ती क्षेत्रों में पाइप्ड गैस आपूर्ति उपलब्ध करेगी। यह परियोजना विशेष रूप से पटना नगर एवं समीपवर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी तथा नगर एवं आसपास के क्षत्र में ऊर्जा की उपलब्धता में वृद्धि करेगी। गरीबों के उत्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कहा 'एनडीए सरकार का विकास का विजन दो बिंदुओं- अवसंरचना विकास और समाज के सीमांत वर्गों के लोगों के उत्थान पर आधारित है, जो 70 वर्षों से भी अधिक समय से मूलभूत सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।'

बिहार में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के विस्तार का अनावरण करते हुए उन्होंने कहा कि 'स्वास्थ्य अवसंरचना विकास के लिहाज से बिहार के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। छपरा एवं पूर्णिया में नए चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना की जाएगी, जबकि गया एवं भागलपुर में चिकित्सा एवं महाविद्यालयों का उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पटना में एम्स की स्थापना हो चुकी है, जबकि लोगों की स्वास्थ्य आवश्कताओं की पूर्ति के लिए राज्य में एक अन्य एम्स की स्थापना का कार्य चल रहा है।'

श्री मोदी ने पटना में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के पहले चरण का उद्घाटन किया। उन्होंने 96.54 किलोमीटर क्षेत्र में फैले करमालीचक सिवरेज नेटवर्क की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने सुल्तानगंज और नौगछिया में सीवेज उपचार संयंत्रों से संबंधित कार्यों को भी आरंभ किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर 22 अमृत परियोजनाओं के लिए भी आधारशिला रखी।

पुलवामा में आतंकी हमले के बाद देश में व्याप्त दर्द, गुस्से एवं दुख का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा 'जो आग आपके दिल में जल रही है वही आग मेरे दिल में भी है।' श्री मोदी ने देश के लिए बलिदान देने वाले पटना के शहीद कांस्टेबल संजय कुमार सिन्हा और भागलपुर के शहीद रत्नकुमार ठाकुर को भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा राष्ट्र शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने बरौनी रिफाइनरी विस्तार परियोजना के 9 एमएमटी एवीयू का शिलान्यास किया। उन्होंने दुर्गापुर से मुज्जफरपुर एवं पटना तक पारादीप-हल्दिया-दुर्गापुर एलपीजी पाइप लाइन के संवर्द्धन के लिए भी शिलान्यास किया। श्री मोदी ने बरौनी रिफाइनरी में एटीएफ हाईड्रो ट्रीटिंग यूनिट (आईएनडीजेईटी) के लिए भी आधारशिला रखी। ये परियोजनाएं उल्लेखनीय रूप से नगर एवं क्षेत्र में ऊर्जा की उपलब्धता में वृद्धि करेंगी। प्रधानमंत्री द्वारा इस यात्रा के दौरान बरौनी में अमोनिया-यूरिया-फर्टिलाइजर परिसर का भी शिलान्यास किया गया। इससे उर्वरक उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। श्री मोदी ने निम्नलिखित सेक्टरों में रेल लाइनों के विद्युतीकरण का भी उद्घाटन किया: बरौनी-कुमेदपुर, मुज्जफरपुर-रक्सौल, फतुहा-इस्लामपुर, बिहार शरीफ-दानियावान। इस अवसर पर रांची-पटना एसी साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी का भी उद्घाटन किया गया। ■

लोअर पंजारा मध्यम परियोजना का शुभारंभ

जलगांव–उधना रेलमार्ग का दोहरीकरण एवं रेल परियोजना का विद्युतीकरण देश को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी को महाराष्ट्र के धुले का दौरा किया। उन्होंने राज्य में अनेक परियोजनाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी विद्यासागर राव, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री डॉक्टर सुभाष भामरे एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस भी उपस्थित थे।

पुलवामा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शूरवीरों की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश शोक एवं दुःख के इस अवसर पर उनके साथ खड़ा है। आतंकवादी हमले के गुनाहगारों को कड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत की नीति है कि वह किसी अन्य के मामलों में छेड़छाड़ नहीं करता। यद्यपि यदि कोई भारत के मामलों से छेड़छाड़ करे तो वह उनको छोड़ता भी नहीं।

श्री मोदी ने कहा कि मैं न सिर्फ भारत के वीर सपूतों को नमन करता हूं, बल्कि उनकी माताओं को भी नमन करता हूं जिन्होंने ऐसे वीर सपूतों को जन्म दिया। पुलवामा के गुनाहगारों को न्याय के अंजाम तक पहुंचाया जाएगा एवं विश्व यह देखेगा कि भारत एक नया भारत है और नये दृष्टिकोण वाला भारत है एवं हर आंसू का प्रतिशोध लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के अंतर्गत लोअर पंजारा मध्यम परियोजना का शुभारंभ भी किया। यह परियोजना धुले एवं आसपास के क्षेत्रों के 21 गांवों के लगभग 7,585 हेक्टेयर क्षेत्रफल की सिंचाई करेगी, यथा पानी की कमी वाले क्षेत्र में जीवनदायिनी का कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई योजना धुले समेत महाराष्ट्र एवं देश के अन्य हिस्सों में सिंचाई की स्थिति की बेहतरी करने के लिये शुरू की गई है। श्री मोदी ने कहा, "पिछले चार वर्षों में 99 सिंचाई परियोजनाओं के कार्य में गति लाकर उनको पूरा किया गया है। इनमें से 26 ऐसी परियोजनाएं महाराष्ट्र से ही संबंधित हैं, इनमें से पंजारा एक परियोजना है। इस परियोजना की शुरुआत पच्चीस वर्ष पूर्व केवल 21 करोड़ रुपये में की गई थी, किंतु अब यब 500 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है। यह महाराष्ट्र के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक जल पहुंचाने के हमारे प्रयासों का परिणाम है।"

श्री मोदी ने जलगांव-उधना रेलमार्ग के दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण की परियोजना भी देश के नाम समर्पित की। माल एवं लोगों का गमन सुसाध्य बनाने के लिये पिछले चार वर्षों के दौरान 2400 करोड़ रुपये की परियोजना के कार्य में गति लाई गई। देश के उत्तर एवं दक्षिण भागों को जोड़ने वाली रेल लाइन से आसपास के क्षेत्रों की अभूतपूर्व प्रगति होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो-लिंक के माध्यम से भुसावल-बांद्रा खंडेश एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन मुंबई से भुसावल के बीच सीधा रेल सम्पर्क मुहैया कराएगी। प्रधानमंत्री ने नंदूरबार-उधना मेमू ट्रेन एवं उधना-पालदी मेमू ट्रेन को भी हरी झंडी दिखलाई।

श्री मोदी ने बटन दबाकर 51 किलोमीटर लंबे धुले-नरदाना रेलमार्ग एवं 107 किलोमीटर लंबे जलगांव-मनमाड़ तीसरे रेलमार्ग का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से समय एवं यातायात के बेहतर प्रबंधन में सहायता प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजनाएं इस क्षेत्र में रेल सम्पर्क एवं विकास को बढ़ावा देंगी एवं विकास के मामले में धुले शीघ्र ही सूरत से प्रतिस्पर्धा करने लगेगा।

श्री मोदी ने सुलवाड़े झम्फल कनोली लिफ्ट सिंचाई योजना का अनावरण भी किया। इस परियोजना से तापी नदी से जल की प्राप्ति होगी एवं इससे जुड़े बांधों, जलाशयों एवं नहरों को जल की आपूर्ति होगी, जिससे 100 गांवों के 1 लाख किसानों को लाभ पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री ने धुले शहर के लिये लगभग 500 करोड़ रुपये की प्राक्कलित लागत से अमृत के अंतर्गत जलापूर्ति योजना एवं भूमिगत सीवर परियोजना की आधारशिला रखी। जलापूर्ति योजना पानी की कमी वाले धुले क्षेत्र में जल संबंधी परेशानियों का समापन करेगी।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारत के हर नागरिक का जीवन आसान बनाने के लिये हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इतनी छोटी से अवधि में आयुष्मान भारत ने महाराष्ट्र के 70,000 रोगियों, जिनमें से धुले के 1800 हैं, समेत 12 लाख लोगों को लाभान्वित किया है। साथ ही, यह निर्धन एवं हाशिए पर धकेले गए लोगों के लिये एक आशा की किरण रही है। ■

आज बिना बिचौलिए के पैसे गरीब के खाते में सीधे जमा हो रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 फरवरी को लोक सभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का उत्तर दिया और कहा कि आज भारत साढ़े चार सालों में 11 वें नम्बर की अर्थव्यवस्था से छठे नंम्बर पर पहुंच गया है। भारत में सर्वाधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आ रहा है। मेक इन इंडिया की ताकत, मैन्युफेक्चरिंग के नए प्रतिमान प्रस्थापित कर रही है। यहां प्रस्तुत है उनके उत्तर के मुख्य अंश:

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 फरवरी को लोक सभा में कहा कि मैं माननीय राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर उन्हें धन्यवाद देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज इस चर्चा में अनेक आदरणीय सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं। जब हम न्यू इंडिया की बात करते हैं तो एक आशा और विश्वास की बात करते हैं। यह भी सही है कि आशा और विश्वास की बात वे ही कर सकते हैं, जो आशा और विश्वास से भरे हुए होते हैं। विपरीत परिस्थितियों में विकास की आस ही देश को आगे ले जाती है। भारत साढ़े चार सालों में 11 वें नम्बर की अर्थव्यवस्था से आज छठे नंम्बर पर पहुंच गया है। पहले की तुलना में सबसे ज्यादा फॉरेन डायेरेक्ट इनवेस्टमेंट आज भारत में आ रहा है। मेक इन इंडिया की ताकत, मैन्युफेक्चरिंग के नए प्रतिमान प्रस्थापित कर रही है।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील प्रोडयूसर आज भारत है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला भारत है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा ऑटो मोबाइल मैन्युफेक्चरर आज हिन्दुस्तान है। फसलों और दूध का रिकॉर्ड उत्पादन आज भारत कर रहा है। इंटरनेट डेटा सबसे सस्ता और सबसे ज्यादा कनजम्शन अगर दुनिया में कहीं है तो हिन्दुस्तान में है। स्टार्टअप इको सिस्टम ने अपनी जड़ें जमाई हैं। एविएशन सेक्टर सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

यह आरोप लगाया जाता है कि सरकार संस्थाओं को खत्म कर रही है। मुझे लगता है कि विचार करने की आवश्यकता है। देश में आपातकाल थोपा कांग्रेस ने, सेना को अपमानित किया कांग्रेस ने और कहते हैं कि सरकार बर्बाद कर रही है। सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग के निर्णयों को मान कर चले हैं। आज हम उसको बर्बाद करने में लगे हुए हैं। न्यायपालिका को कांग्रेस धमकाती है। कांग्रेस पार्टी ने योजना आयोग को 'जोकरों का समूह' कहा। धारा 356 का दुरुपयोग करीब-करीब सौ बार आपने किया। इतना ही नहीं, बल्कि आप मंत्रिमंडल के निर्णय को प्रेस कांफ्रेस में जाकर काट देते थे।

हमारी सरकार ने स्वच्छता का दायरा बढ़ाने, शौचालयों का निर्माण करने, गैस कनेक्शन बांटने, गरीबों के बैंक खाते खोलने, गांवों में बिजली पहुंचाने इत्यादि क्षेत्रों में 55 महीनों में जो कार्य किया है, वह अभूतपूर्व है। देश अनुभव कर रहा है कि जब पूर्ण बहुमत वाली सरकार होती है तो कितने निर्णय कर सकती है। पैसे गरीब के खाते में सीधे जमा हो रहे हैं, बिचौलिए नहीं हैं। गांवों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पहुंचाने का कार्य 2004 से आपने शुरू किया, 2014 में पहुंचते-पहुंचते 59 गांवों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी थी, वह 55 महीने की हमारी सरकार में 1 लाख 16 हजार गांवों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंच गई।

आपके समय कॉमन वैल्थ घोटाला हुआ। 2जी स्पैक्ट्रम घोटाला हुआ। बैंकिंग व्यवस्था में सिफारिश के बल पर पैसे पहुंच जाते थे। स्वतंत्रता के बाद, 2008 तक बैंकों ने कुल 18 लाख करोड़ रुपयों का कर्ज दिया। वर्ष 2008 से 2014 तक, छः साल में यह बढ़कर 52 लाख करोड़ रुपए हो गए। यह फोन बैंकिंग का परिणाम था। 2014 के बाद एक नया एनपीए नहीं बढ़ रहा है। हम कानून ऐसे लाए हैं कि 3 लाख करोड़ रुपए वापस आने शुरू हुए हैं। हमने 7 लाख करोड़ रुपए मुद्रा योजना से दिए और उन्होंने स्व-रोजगार खड़ा किया।

कांग्रेस ने सेना को एक प्रकार से निहत्था बना दिया था। 2009 में भारतीय सेना ने बुलेट प्रूफ जैकेट्स की मांग की, 2014 तक बुलेट प्रूफ जैकेट्स नहीं खरीदी गई। 2016 में हमने 50 हजार बुलेट प्रूफ जैकेट्स की खरीद की। जुलाई, 2016 में हमने 83 तेजस विमान खरीदने की स्वीकृति दे दी। कांग्रेस की पिछली सरकार ने पिछले दस सालों में सेना, वायु सेना और नेवी की आवश्यकताओं को नजरअंदाज किया, जबकि हमारे पड़ोस में युद्ध सामर्थ्य बढ़ता चला जा रहा है। यह देश के साथ विश्वासघात था।

राफेल के बारे में मुझे यही करना है कि कांग्रेस पार्टी नहीं चाहती है कि हमारी वायु सेना मजबूत हो। जहां तक काले धन का सवाल है, भ्रष्टाचार का सवाल है, हम आज भी जीरो टोलरेंस के साथ प्रतिबद्ध हैं। हमारे हाथ-पैर कहीं फंसे हुए नहीं हैं न हमें किसी पर एहसान करना है और न किसी के एहसान पर हम जिंदा हैं। इसलिए जी जान से काला धन हो या भ्रष्टाचार हो, उसके खिलाफ लड़ाई लड़ने का मादा रखते हैं। हमने आठ करोड़ लोगों को जो दलाली लेते थे, आधार की व्यवस्था द्वारा बाहर कर दिया। बेनामी सम्पत्ति का कानून बनाया और बेनामी सम्पत्ति आज जब्त हो रही है।

नोटबंदी के बाद तीन लाख फर्जी कंपनियां बंद हो गई। हमारी सरकार के प्रयासों के चलते 20 हजार से ज्यादा संगठनों ने अपनी दुकान बंद कर दीं, जो विदेशों से धन लेते थे। ये संस्थाएं सीमावर्ती गांवों, संसद और न्याय प्रक्रिया पर प्रभाव डाल रही थीं। आज यहां सदन में महंगाई को लेकर भी कुछ बातें हुई हैं। जब श्रीमती इंदिरा गांधी जी प्रधानमंत्री थी तो इन्फ्लेशन 20 प्रतिशत से ज्यादा था। पिछली सरकार के समय 10 प्रतिशत से ज्यादा इंफ्लेशन था। बीते 4.5 वर्ष में महंगाई की दर 4 प्रतिशत रही है। एवरेज टैक्स जीएसटी से पहले 30 प्रतिशत से ज्यादा हुआ करता था। आज 99 प्रतिशत सामान या उससे ज्यादा सामान पर टैक्स 18 परसेंट या उससे कम आया है।

इस बजट में भी इनकम टैक्स के तहत पांच लाख रुपए पर राहत देने का काम हमने किया है। एजुकेशन लोन पर ब्याज 15 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत हमने किया है। उसी प्रकार से आवास लोन पर ब्याज दर कम की गई है। एलईडी बल्ब का मूल्य 300 रुपए से घटकर आज 60-70 रुपए पर आ गया है। इसके कारण देश में 50 हजार करोड़ रुपए की बिजली का बिल लोगों का कम हुआ है। दिल की बीमारी के स्टेंट हमने सस्ते कर दिए। नी-इम्प्लांट का काम सस्ता

हो गया है। हम मुफ्त में डायलिसिस की सुविधा डिस्ट्रिक्ट लेवल तक लेकर गए हैं।

पांच हजार से ज्यादा जन औषधि केन्द्र हमने शुरू किए हैं। प्रतिदिन 15 हजार से ज्यादा गरीब 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत फायदा उठा रहे है। मैं सभी एमपी से आग्रह करता हूं कि जितने गरीबों को आप अपने क्षेत्रों में 'आयुष्मान भारत' का लाभ दिला सकते हो, दिलाइए। हमने देश के गरीब युवाओं को 10 प्रतिशत तक आरक्षण दिया है। देश में संगठित क्षेत्र में सितम्बर, 2017 से लेकर नवम्बर, 2018 तक लगभग 1 करोड़ 80 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। पिछले चार वर्षों में देश में लगभग 6 लाख 35 हजार नए प्रोफेशनल्स जुड़े हैं। दूसरी तरफ इनफॉर्मल सेक्टर में 27 लाख से ज्यादा नए ऑटो की बिक्री हुई है।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर में ही देश में बीते साढ़े चार वर्षों में करीब-करीब सवा करोड़ लोगों को नए अवसर मिले हैं। इसी तरह होटल इंडस्ट्रीज में करीब-करीब डेढ़ करोड़ नई नौकरियों का निर्माण हुआ है। देश में टैक्सी एग्रीगेटर सर्विस का इतना विस्तार हो रहा है। उसमें भी रोजगार बढ़ा है। मुद्रा योजना के तहत पहली बार लोन पाने वाले लोगों की संख्या सवा चार करोड़ से ज्यादा है। इसी तरह हमारी सरकार के दौरान दो लाख से ज्यादा नए कॉमन सर्विस सेक्टर देश के ग्रामीण इलाकों में खोले गए हैं। देश में दुगुनी गति से हाइवे बन रहे हो। नए एयरपोर्ट बन रहे हैं, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण हो रहा है। करोड़ों-करोड़ों नए घर बन रहे हैं। हमारे देश का नौजवान आज अपने दम पर खड़ा हुआ है।

स्किल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया मुद्रा योजना, ये स्वरोजगार के हमारे इनिशिएटिव्स है। हमने अपने देश के किसान की चिंता भी की है। वर्ष 2009 में किसानों पर 6 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था और आपने माफ कितना किया। 52,000 करोड़ रुपए हमने प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत 99 ऐसी योजनाएं, जो लटकी पड़ी थीं, उनको पूरा करने का काम किया है। हमने नए मेगा फूड पार्क, नए कोल्ड स्टोरेज पर बल दिया है। 22,000 ग्रामीण हाट बनाने की दिशा में काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हमने ई-नाम के माध्यम से किसानों को अपने माल बेचने की ऑनलाइन व्यवस्था मुहैया की है। किसानों के लिए इस बार के बजट में 6,000 रुपए वार्षिक रूप से देना तय किया है। करीब 12 करोड़ किसानों को इसका सीधा लाभ उनके बैंक खातों में जाएगा। कर्नाटक में किसानों का कर्ज माफ किए जाने की बात आई। इसके लाभार्थी 43 लाख हैं और अभी तक सिर्फ 60 हजार लोगों को लाभ मिला है। आप दस वर्ष में एक बार कर्ज माफ करते थे, लेकिन हमारी योजना प्रतिवर्ष है। हमने इस बजट में 'राष्ट्रीय कामधेनु आयोग' के तहत मछली पालन करने वाले किसानों के लिए भी विशेष व्यवस्था की है। जिन किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड का बेनिफिट मिलता था, वह बेनिफिट पशुपालक और मछली पालन करने वालों को भी मिलने वाला है।

टीकाकरण के बारे में हमने 'मिशन इन्द्रधनुष' चलाया, हमने टीकाकरण को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। हमने 'स्किल इंडिया अभियान' के तहत लाखों युवाओं को प्रशिक्षित किया है। 'प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना' के तहत तीन हजार रुपए की पेंशन की व्यवस्था अन-ऑर्गनाइज्ड लेबर के लिए लेकर आए। हमारी सरकार ने मछुआरों के लिए अलग मंत्रालय की व्यवस्था करने के लिए कहा है। हमारी सरकार ने ट्रेडर की देखभाल करने वाला एक विभाग बनाया है। हमने पहली बार घुमंतु समुदाय के वेलफेयर के लिए बोर्ड बनाने का निर्णय किया है।

आज विश्व मंच पर भारत की बात सुनी जाती है। मेरे प्रयत्नों के बाद सभी राजनीतिक दलों की विदेश में रहने वाले भारतीयों की तरफ नजर गई है। अभी जो प्रवासी भारतीय दिवस बनारस में हुआ, वह अब तक के प्रवासी भारतीय दिवसों में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व वाला था। यह खुशी की बात है कि कुंभ को विश्व ने हेरिटेज के रूप में स्वीकार किया है। यह भारत की साफ्ट पॉवर है। ■

लोक सभा में 89 प्रतिशत कामकाज हुआ

संसदीय मामले और केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज और खान मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 13 फरवरी को कहा कि संसद का अंतरिम बजट सत्र 2019 सफल रहा, क्योंकि सभी राजनीतिक दलों ने राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा में भाग लिया।

16वीं लोक सभा के कार्यकाल का विवरण देते हुए श्री तोमर ने कहा कि लोक सभा की 331 बैठकें हुई, 205 विधेयक पारित किए गए और 85 प्रतिशत कामकाज हुआ। इस दौरान राज्य सभा की 329 बैठकें हुई, 154 विधेयक पारित किए गए और 68 प्रतिशत कामकाज हुआ।

श्री तोमर ने बताया कि अंतरिम बजट सत्र 31 जनवरी 2019 को शुरू हुआ और 13 फरवरी, 2019 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र के दौरान 14 दिन की अवधि में 10 बैठकें हुई। लोक सभा में 89 प्रतिशत और राज्य सभा में करीब 8 प्रतिशत कामकाज हुआ।

वर्ष का पहला सत्र होने के कारण राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को 31 जनवरी, 2019 को सम्बोधित किया। लोक सभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव श्री हुक्म देव नारायण यादव ने रखा और श्री जगदम्बिका पाल ने उसका समर्थन किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोक सभा में 11 घंटे 16 मिनट चर्चा हुई, जबकि इसके लिए 8 घंटे का समय निर्धारित किया गया था। माननीय प्रधानमंत्री ने चर्चा का उत्तर दिया। राज्य सभा में श्री भूपेन्द्र यादव ने प्रस्ताव रखा और श्री विजय गोयल ने इसका समर्थन किया, जिसे 13 फरवरी, 2019 को स्वीकार कर लिया गया।

बजट सत्र मुख्य रूप से वित्तीय कामकाज को समर्पित था। सत्र के दौरान 1 फरवरी, 2109 को 2019-20 के लिए अंतरिम बजट पेश किया गया। अंतरिम बजट में लोक सभा में सामान्य चर्चा हुई। लोक सभा में इस पर 7 घंटे 32 मिनट चर्चा हुई। संसद की कार्यवाही में बार-बार अवरोध पैदा किये जाने के कारण राज्य सभा अंतरिम बजट पर चर्चा नहीं कर पाई।

लोक सभा में विनियोग (वोट ऑन एकाउंट) विधेयक 2019 और वर्ष 2018-19 के लिए तीसरी पूरक अनुदान मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक पेश किया गया, विचार किया गया और उसे 11 फरवरी, 2019 को पारित कर दिया गया, जबकि वित्त विधेयक 12 फरवरी, 2019 को पारित किया गया। राज्य सभा ने इन विधेयकों को 13 फरवरी को लौटा दिया।

इस सत्र के दौरान कुल 9 विधेयक (लोक सभा में 3 और राज्य सभा में 6) पेश किए गए। लोक सभा ने 5 विधेयक, राज्य सभा ने 5 विधेयक तथा दोनों सदनों ने 4 विधेयक पारित किए। लोक सभा और राज्य सभा में पेश, लोक सभा में पारित, राज्य सभा में पारित और दोनों सदनों में पारित विधेयकों की सूची नीचे दी गई है।

16वीं लोक सभा के 17वें सत्र और राज्य सभा के 248वें सत्र के दौरान निपटाया गया प्रमुख विधायी कामकाज:

I – लोक सभा में पेश विधेयक

1. वित्त विधेयक, 2019
2. विनियोग (वोट ऑन एकाउंट) विधेयक 2019
3. विनियोग विधेयक, 2019

II – राज्य सभा में पेश विधेयक

1. संविधान (एक सौ पच्चीसवां संशोधन) विधेयक, 2019
2. संविधान (अनुसूचित जनजाति) (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2019
3. अप्रवासी भारतीयों का विवाह पंजीकरण विधेयक, 2019
4. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण विधेयक, 2019
5. द सिनेमेटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2019
6. राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन विधेयक, 2019

III – लोक सभा द्वारा पारित विधेयक

1. वित्त विधेयक , 2019
2. विनियोग (वोट ऑन एकाउंट) विधेयक, 2019
3. विनियोग विधेयक , 2019
4. अनियमित जमा योजना पर रोक विधेयक, 2018
5. जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक (संशोधन) विधेयक, 2019

IV – राज्य सभा द्वारा पारित विधेयक

1. वित्त विधेयक, 2019
2. विनियोग (वोट ऑन एकाउंट) विधेयक, 2019
3. विनियोग विधेयक, 2019
4. पर्सनल लॉ (संशोधन), विधेयक, 2019
5. संविधान (अनुसूचित जनजाति) (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2019

V – संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक

1. विनियोग (वोट ऑन एकाउंट) विधेयक, 2019
2. विनियोग विधेयक, 2019
3. वित्त विधेयक , 2019
4. पर्सनल लॉ (संशोधन), विधेयक, 2019 ■

गहलोत सरकार ने राजस्थान में सभी विकास परियोजनाओं को ठप्प कर दिया है: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 18 फरवरी को राजस्थान के जयपुर स्थित सूरज मैदान, राजापार्क में विशाल शक्ति केंद्र सम्मेलन को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से केंद्र में फिर एक बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रिय सरकार बनाने का आह्वान किया। इस शक्ति केंद्र सम्मेलन में जयपुर क्लस्टर के तीन लोक सभा क्षेत्रों जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण और सीकर के शक्ति केंद्र कार्यकर्ता शामिल हुए। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने 12 जिला कार्यालयों कोटा, चित्तौड़, बांसवाडा, डूंगरपुर, राजसमंद, नागौर, टोंक, भीलवाड़ा, बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ का रिमोट से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में पार्टी उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष श्री मदनलाल सैनी, राजस्थान के प्रभारी श्री प्रकाश जावड़ेकर, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले पुलवामा हमले में शहीद भारत मां के वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

श्री शाह ने कहा कि हमारा शक्ति केंद्र सम्मेलन आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के संकल्प का सम्मेलन है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के पांच वीर सपूत कोटा से श्री हेमराज मीणा, धौलपुर से श्री भागीरथ सिंह, भरतपुर से श्री जीतराम गुर्जर, जयपुर से श्री रोहिताश लांबा और राजसमंद से श्री नारायण गुर्जर ने भी मां भारती की सुरक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। पूरा राष्ट्र अपने वीर जवानों की शहादत के सम्मान में नतमस्तक है एवं दुःख की इस घड़ी में वीर शहीदों के परिवार के साथ एकजुट हो खड़ा है। पूरे देश में पुलवामा हमले को लेकर गुस्सा, दुःख और आक्रोश है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की श्री नरेन्द्र मोदी सरकार हमारे जवानों की शहादत को व्यर्थ नहीं जाने देगी। उनके बलिदान का माकूल जवाब दुश्मनों को मोदी सरकार और हमारे वीर जवान देंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि देश के सभी राजनीतिक दलों में भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती है और दुनिया भर के नेताओं में आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति यदि किसी नेता में हैं तो वे हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं।

श्री शाह ने कहा कि राजस्थान विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की जीत जरूर हुई है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी पराजित नहीं हुई है, हमने अपना स्थान अच्छे से बनाकर रखा है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले लोग भविष्यवाणी करते थे कि भाजपा साफ़ हो जायेगी, लेकिन श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया जी और श्री मदनलाल सैनी के नेतृत्व में जिस तरह से हमने चुनाव लड़ा, उसका परिणाम यह रहा कि भारतीय जनता पार्टी इतने बड़े प्रदेश में मात्र लगभग डेढ़ लाख वोटों (0.5%) से ही पीछे रही। उन्होंने कहा कि हम तो दो से 282 सीटों तक सफ़र करने वाले लोग हैं, हमारे लिए जीत-हार मायने नहीं रखती। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जनता के फैसले को विनम्रता के साथ स्वीकार करते हुए हम यह प्रण लेते हैं कि लोक सभा चुनाव में फिर से राजस्थान के आसमान में भाजपा का झंडा फहराएंगे और कांग्रेस को परास्त करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्री सुंदर सिंह भंडारी और श्री भैरोंसिंह शेखावत की कर्मभूमि रही है। यहां भाजपा कभी परास्त नहीं होने वाली।

श्री शाह ने कहा कि गहलोत सरकार को तो बने अभी कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन आगाज ही बताने के लिए काफी है कि अंजाम कितना

बुरा होगा। उन्होंने कहा कि पूत के पांव पालने में भी दिख जाते हैं, अभी तो कांग्रेस की गहलोत सरकार के बने कुछ ही दिन हुए हैं और यूरिया के लिए किसानों पर लाठी चलनी शुरू हो गई, जबकि भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार के पांच वर्षों के शासन में देश में कहीं भी यूरिया की कोई किल्लत नहीं रही। आखिर कौन कर रहा है राजस्थान सहित अन्य कांग्रेस शासित राज्यों में यूरिया की कालाबाजारी? उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान में सभी विकास परियोजनाओं को ठप्प कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार में डिप्टी चीफ मिनिस्टर सीएम बनने की फिराक में है और चीफ मिनिस्टर अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं और दोनों के झगड़े में प्रदेश की जनता पिस रही है। आंदोलन शुरू किये जा रहे हैं, क्योंकि चीफ मिनिस्टर परेशान होंगे तभी तो मुख्यमंत्री बन पायेंगे, यही कांग्रेस की संस्कृति है। ■

विशाल शक्ति केंद्र सम्मेलन, पलक्कड़ (केरल)

'राज्य में परिवर्तन कर राजग की विजय पताका फहराएं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 22 फरवरी को केरल के पलक्कड़ में आयोजित विशाल शक्ति केंद्र सम्मेलन को संबोधित किया और पुलवामा में पाक प्रेरित आतंकवादियों के कायराना हमले में शहीद वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कार्यकर्ताओं से 2019 के लोक सभा चुनाव में केरल में भाजपा की बड़ी जीत सुनिश्चित करते हुए केंद्र में फिर से एक बार मोदी सरकार के गठन का आह्वान किया।

श्री शाह ने केरल की महान विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि पुलवामा में पाकिस्तान प्रेरित हमले में शहीद हुए हमारे वीर जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने दी जायेगी, इसका करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से केरल में परिवर्तन कर राजग की विजय पताका फहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केरल में अब तक संघ और भाजपा के लगभग 150 कार्यकर्ताओं की नृशंस हत्या कर दी गई है। मैं पार्टी की विचारधारा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कार्यकर्ताओं की आत्मा को विश्वास दिलाता हूं कि केरल में कमल खिलने से कोई रोक नहीं सकता।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के तथाकथित महागठबंधन का न तो कोई नेता है, न नीति और न ही कोई सिद्धांत। विपक्ष का महागठबंधन कभी भी देश को आगे नहीं बढ़ा सकता। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया भर से समाप्त हो गई है, जबकि कांग्रेस का देश से सफाया हो रहा है। उन्होंने कहा कि केरल ने बहुत सालों तक बारी-बारी एलडीएफ-यूडीएफ को मौका दिया, लेकिन केरल का विकास नहीं हुआ। उन्होंने केरल की जनता से अपील करते हुए कहा कि आप एक मौक़ा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को दीजिये, हम केरल को देश का सर्वोत्तम प्रदेश बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जब यूडीएफ केरल में सत्ता में आती है तो राज्य में भ्रष्टाचार का दौर शुरू होता है और जब एलडीएफ सत्ता में आती है, तो राज्य में भ्रष्टाचार के साथ-साथ हिंसा का भी दौर शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों सत्ता में आने पर एक दूसरे के अपराध और भ्रष्टाचार को संरक्षण देती है। उन्होंने कहा कि यदि एनडीए केरल में सत्ता में आती है तो कानून के दायरे में सभी दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

सबरीमाला के श्रद्धालुओं पर केरल की कम्युनिस्ट सरकार के अत्याचारों पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को चेतावनी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विजयन जी, भगवान् अयप्पा के भक्तों की भावना से खिलवाड़ बंद कीजिये, केरल की जनता आपकी ईंट से ईंट बजा देगी। ■

शक्ति केंद्र एवं बूथ प्रमुख सम्मेलन, तमिलनाडु

इस बार प्रदेश में हम अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 14 फरवरी को इरोड, तमिलनाडु में टैक्सवैली के पास मैदान में शक्ति केंद्र एवं बूथ प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से केंद्र में एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने की अपील की। इससे पहले उन्होंने टैक्सवैली के कांफ्रेंस हॉल में हैंडलूम और पावरलूम एसोसिएशन के साथ एक बैठक किया और मोदी सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

श्री शाह ने 'भारत के मन की बात, मोदी के साथ' कार्यक्रम के तहत आज इरोड में हैंडलूम और पावरलूम एसोसिएशंस और बुनकरों के साथ उनकी समस्याओं पर बात की और उनके सुझावों को एकत्रित किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इन सभी सुझावों को भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में शामिल किया जाएगा और केंद्र में फिर से आने वाली मोदी सरकार इन सभी समस्याओं का समाधान कर उद्योग को एक नई दिशा देने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो लोगों की समस्याओं को अपने घोषणापत्र में स्थान देती है और इन समस्याओं को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए कार्य करती है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश में दो राजनीतिक खेमे हैं। एक ओर कांग्रेस और उसके सहयोगियों का तथाकथित महागठबंधन है जिसका न कोई नेता है, न नीति और न ही कोई सिद्धांत, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा-नीत एनडीए है जिसका एक ही मूलमंत्र है - सबका साथ, सबका विकास। स्टालिन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके नेता स्टालिन कभी राहुल गांधी को नेता स्वीकार करते हैं, तो कभी पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण राहुल गांधी को नेता स्वीकार नहीं करते, मुझे तो समझ ही नहीं आ रहा कि स्टालिन चाहते क्या हैं। उन्होंने कहा कि डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन स्कैम और करप्शन का एलायंस है जो केवल भ्रष्टाचार और सत्ता प्राप्ति के लिए किया गया है, जबकि एनडीए देश की समृद्धि, सुरक्षा और लोक-कल्याण का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा CSR है कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी जबकि डीएमके-कांग्रेस और तथाकथित महागठबंधन का CSR है करप्शन और स्कैम राज। उन्होंने तमिल नाडु की जनता को विश्वास दिलाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी जल्द ही एक मजबूत गठबंधन के साथ तमिल नाडु में सामने आयेगी और भाजपा गठबंधन राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। ■

'चन्द्रबाबू नायडू का धोखेबाजी का इतिहास रहा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 21 फरवरी को आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी राजमुंदरी में आंध्र प्रदेश के पांच लोक सभा क्षेत्रों काकीनाडा, राजमुंदरी, अमलापुरम, नारासपुरम और यूरु लोक सभा क्षेत्रों के शक्ति केंद्र कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित किया और पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी और तेलुगुदेशम को आंध्र प्रदेश से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। इससे पहले माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी राजमुंदरी के वार्ड संख्या 47, सिद्धार्थ नगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी पी. ज्योति के घर गए और उनके साथ मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए पार्टी के देशव्यापी लाभार्थी महासंपर्क अभियान का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् उन्होंने आनंद नगर, राजमुंदरी स्थित क्वेरी मार्किट जंक्शन में भाजपा शहर कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू कह रहे हैं कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि पुलवामा हमले में पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। अरे नायडू जी, आपको पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पर तो भरोसा है, अपने देश के प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है? इतने निम्न स्तर की राजनीति मत कीजिये चंद्रबाबू नायडू जी, चुनाव में आंध्र प्रदेश की जनता आपसे इसका हिसाब मांगेगी, आप इमरान खान का पक्ष ले रहे हैं! आप तय कर लीजिये कि सत्ता के लालच में आप राजनीति में कितना और नीचे गिरना चाहते हैं।

श्री शाह ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू कभी पश्चिम बंगाल में, कभी दिल्ली में, कभी तमिलनाडु में तो कभी कर्नाटक में जाकर धरना दे रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू जी, यदि आपको धरना देना ही है तो अपने पार्टी कार्यालय के बाहर धरना दीजिये, जिसने पांच साल में आंध्र प्रदेश के लिए कुछ भी नहीं किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि टीडीपी और जगन बाबू की पार्टी आंध्र प्रदेश का कभी भला नहीं कर सकती, क्योंकि दोनों परिवारवादी और भ्रष्टाचारी पार्टियां हैं और चंद्रबाबू नायडू का तो धोखेबाजी का इतिहास भरा पड़ा हुआ है। पहले चंद्रबाबू नायडू ने महान एनटीआर को धोखा दिया, फिर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को धोखा दिया और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धोखा देकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू को कोई अवार्ड मिले या न मिले लेकिन यदि सबसे बड़े धोखेबाज का कोई अवार्ड हो तो यह अवार्ड चंद्रबाबू नायडू को दिया जाएगा। ■

गठबंधन की विफल राजनीति का उदाहरण है कर्नाटक की कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 21 फरवरी को अनंत विद्यानिकेतन, साई गार्डन, अवती, देवनहल्ली (कर्नाटक) में प्रदेश के तीन लोक सभा क्षेत्रों कोलार, चिक्कबल्लापुरा और तुमकुरु लोक सभा क्षेत्रों के शक्ति केंद्र कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित किया और कर्नाटक की भ्रष्टाचार कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने की अपील करते हुए केंद्र में एक बार फिर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की अपील की। कार्यक्रम में तीन लोक सभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ता, दो लोक सभा शक्ति केंद्र अध्यक्ष एवं एक लोक सभा क्षेत्र के सभी बूथ अध्यक्ष सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक के विधान सभा चुनाव का जनादेश भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में था। भाजपा को सबसे अधिक सीटें मिली, लेकिन हम बहुमत से कुछ कदम दूर रह गए। उन्होंने कहा कि विडंबना देखिये कि जिसकी सबसे कम सीटें आई, उस पार्टी का नेता मुख्यमंत्री बन कर बैठा है, जबकि सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी विपक्ष में बैठी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री कुमारस्वामी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कुमारस्वामी कहते हैं कि मैं कर्नाटक की जनता के कारण नहीं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कृपा से मुख्यमंत्री हूं। कुमारस्वामी जी, पहले कर्नाटक की जनता को बताइये कि आपकी निष्ठा उनके प्रति है या राहुल गांधी के चरणों में है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री कुमारस्वामी अपने आप को क्लर्क सीएम कहते हैं। कांग्रेस के सिद्धारमैया सुपर सीएम बने बैठे हैं और उप-मुख्यमंत्री परमेश्वरन खुद को हाफ सीएम मानते हैं। ये ढाई सीएम वाला कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन कभी भी कर्नाटक का विकास नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि गठबंधन की विफल राजनीति का उदाहरण है कर्नाटक की कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार।

विपक्ष के तथाकथित महागठबंधन पर करारा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि विपक्ष के इस तथाकथित महागठबंधन में सबको प्रधानमंत्री बनना है। कोई एक-दूसरे को नेता नहीं मानता। यह महागठबंधन 'मजबूर' सरकार चाहती है, जबकि देश की जनता 'मजबूत' सरकार चाहती है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

वैश्विक आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करने तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने हेतु 2018 का प्रतिष्ठित 'सियोल शांति पुरस्कार' प्राप्त करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति श्री मौरिसियो मैक्री से मिलते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस श्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अज़ीज़ अल सौद से हाथ मिलाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में दिव्यांग जनों से बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19